राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 10 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-345 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महाकुंभः आस्था और आधुनिकता का संगम

महाकुंभ को भव्य, दिव्य और डिजिटल आयोजन : योगी

- 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन से इकोनॉमी को 2 लाख करोड़ का बूस्ट-अप

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ 2025 को प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का प्रतीक है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। सीएम योगी ने बुधवार को एक सम्मेलन में बताया कि इस साल महाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 2019 के कुंभ मेले से उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 1.2 लाख करोड़ रुपये का योगदान हुआ था। इस बार 2 लाख करोड़ रुपये तक रेवेन्यू जेनरेशन का अनुमान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2024 में जनवरी से सितंबर तक ही काशी विश्वनाथ मंदिर में 16 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु और अयोध्या में 13.55 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। इससे पता चलता है कि महाकुंभ के प्रति लोगों में कितना उत्साह है।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ को भव्य, दिव्य और डिजिटल आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारत की प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को वैश्विक स्तर पर पेश करने का अवसर है। उन्होंने महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा अस्थायी शहर बताया, जहां हर दिन 50 लाख से 1 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

प्रयागराज में जोरों पर तैयारियां

महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में तैयारियां जोरों पर हैं। संगम के 12 किलोमीटर इलाके में स्नान घाट बनाए जा रहे हैं। विशेष सफाई अभियान, निर्माण कार्य, और सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि सभी घाटों पर प्रकाश व्यवस्था की जा रही है, और महिलाओं के लिए अलग से चेंजिंग रूम बनाए गए हैं। घाटों की पहचान के लिए प्रतीक चिह्न, जैसे डमरू और त्रिशूल लगाए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वॉच टावर और पानी में बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है महाकुंभ

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ भारत की सामाजिक और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें संतों और अन्य धार्मिक संस्थाओं के सहयोग से इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी हुई हैं। महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। संगम इलाके में वॉच टावर लगाए जा रहे हैं, और सभी घाटों पर 24×7 निगरानी की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष योजना बनाई गई है। महाकुंभ 2025 केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश और भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण साबित होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में किए जा रहे व्यापक इंतजामों से यह आयोजन न केवल आस्था का पर्व होगा, बल्कि राज्य के विकास का भी नया अध्याय लिखेगा।

पहला कॉलम

दिल्ली चुनाव में भाजपा और आप के बीच पोस्टर वॉर तेज

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच पोस्टर वॉर तेज हो गया है। पिछले 9 दिनों में दोनों दलों ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप के पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए हैं। भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जुड़ी चार पोस्टर साझा किए, जिसमें एक में उन्हें गोविंदा की फिल्म राजा बाबू के रूप में दिखाया गया, वहीं दूसरे पोस्टर में केजरीवाल के साथ एक टॉयलेट शीट की फोटो लगाकर टॉयलेट चोर का आरोप लगाया। इसके अलावा भाजपा ने केजरीवाल को दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर के पोस्टर के रूप में भी पेश किया। भाजपा के इन पोस्टरों के जवाब में आप ने भी 8 पोस्टर और एडिटेड वीडियो शेयर किए। दोनों पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं, जो सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है। आप ने पहले ही अपनी पूरी सूची उम्मीदवारों की घोषित कर दी है, जिसमें मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव मैदान में है। इस बीच, कांग्रेस ने भी अपनी तीन लिस्ट में 48 उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा को कालकाजी सीट से प्रत्याशी बनाया है, जबकि भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट में 29 उम्मीदवारों का ऐलान किया है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रवेश वर्मा को नई दिल्ली से उम्मीदवार बनाया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

अलवर । राजस्थान में अलवर के पॉस्को न्यायालय संख्या एक ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 में यह मामला दर्ज हुआ था। दो साल के भीतर न्यायालय ने मामले में आरोपी को सजा सुनाई है। सरकारी अधिवक्ता विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि पॉस्को न्यायालय संख्या एक के न्यायाधीश जोगेंद्र अग्रवाल ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पटौदी निवासी यतीन नाम के युवक को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 को बर्डोद निवासी एक पीड़िता ने मामला दर्ज कराया गया कि सोशल मीडिया पर उसकी मुलाकात गुरुग्राम के पटौदी के रहने वाले यतीन नाम के लड़के से हुई थी। इसके बाद 6 माह तक उन लोगों के बीच चैटिंग की मदद से बातचीत हुई। दोनों एक दूसरे से प्यार भरी बातें करने लगे। इतना ही नहीं दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई। एक दिन यतीन उससे मिलने के लिए बहरोड़ आया। यहां खाना खिलाने के बहाने से अपने साथ एक होटल में ले गया और वहां कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता जब अपने घर पहुंची, तब पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों के साथ पीड़िता थाने पहुंची। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाकर उसके बयान दर्ज किए। उसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में चार्जशीट पेश की।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में उतार-चढ़ाव होने के बावजूद सेना के बीच रिश्ते मजबूत

- अब बांग्लादेश की सेनाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बना

नई दिल्ली । बांग्लादेश और भारत के रक्षा क्षेत्र में घनिष्ट सहयोग दर्ज किया गया है, जो दोनों देशों के सेना अधिकारियों के बीच कई प्रमुख सामरिक और व्यापारिक एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से विकसित हो रहे हैं। यह सौभाग्यपूर्ण है कि अब बांग्लादेश की सेनाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बन गया है। साथ ही भारतीय सेना के अधिकारी भी बांग्लादेश में विभिन्न सेक्टरों में दोस्ताना तालमेल के माध्यम से भाग ले रहे हैं। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण अद्यतन यह है कि भारतीय सेना के तीन अधिकारी हाल ही में बांग्लादेश कोर्स करने के लिए रवाना हुए हैं, जबकि चार अधिकारी बांग्लादेश के मिलिट्री इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर ट्रेनिंग देने के लिए वहां पहुंचे हैं। यह सहमति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो दोनों देशों के सेनाओं के बीच समर्पित साथ को और भी मजबूत बनाए रखेगा। इस ट्रेनिंग का खर्चा अब भारत ही वहन करेगा जिससे इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाया गया है।

डब्ल्यूएचओं ने कर दिया साफ कहा- एचएमपीवी महज सर्दियों में होने वाला सामान्य संक्रमण

जिनेवा।

सर्दियों के दौरान सांसो से जुड़े संक्रमण में बढ़ोतरी और ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस (एचएमपीवी) को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अधिकारी मार्गरेट हैरिस ने इसको लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सर्दियों और वसंत ऋतु के दौरान श्वसन संक्रमणों का बढ़ना सामान्य है और इससे घबराने की जरूरत नहीं है। बता दें कि बीते दिनों एचएमपीवी ने भारत में भी दस्तक दे दी है। देश में एचएमपीवी के 5 नए मामले सामने आए थे। इनमें से 2 मामले कर्नाटक में, 2 तमिलनाडु में और 1 गुजरात में मिले थे। हालांकि केंद्र सरकार ने आश्वस्त किया था कि इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। मार्गरेट हैरिस ने यह भी कहा कि चीन में श्वसन संक्रमण के जो मामले सामने आ रहे हैं, वे सामान्य स्तर पर हैं और सर्दियों के मौसम में इस तरह के मामले अक्सर आते रहते हैं। उन्होंने बताया कि चीन में अस्पतालों का उपयोग दर पिछले साल की तुलना में इस समय कम है और किसी भी प्रकार की आपातकालीन स्थिति घोषित नहीं की गई है। हैरिस ने यह स्पष्ट किया कि ह्यूमन मेटाप्नूमोवायरस कोई नया वायरस नहीं है। इसे पहली बार 2001 में पहचाना गया था और यह लंबे समय से मानव आबादी में मौजूद है। यह वायरस सर्दियों और वसंत के मौसम में सक्रिय होता है और इसके लक्षण सामान्य सर्दी जैसे होते हैं। उन्होंने बताया कि चीन के रोग नियंत्रण केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस सबसे ज्यादा मामलों में सामने आ रहा है। दिसंबर के अंत में इन्फ्लुएंजा के लिए टेस्ट पॉजिटिविटी रेट 30प्रतिशत से अधिक थी, जो आउटपेशेंट और आपातकालीन विभागों में फ्लू जैसे लक्षणों के साथ प्रस्तुत होने वाले मरीजों के लिए सामान्य है।

हैरिस ने संक्रमण से बचाव के लिए सरल उपाय अपनाने की सलाह दी है। ये वही उपाय हैं, जो कोविड-19 के दौरान सुझाए गए थे। उन्होंने कहा, सर्दियों के दौरान बीमार होने से बचने के लिए सबसे अच्छा तरीका है, संक्रमण से बचाव के उपायों को अपनाना। मास्क पहनना, हाथ धोना और भीड़भाड़ वाले स्थानों से बचना, इन संक्रमणों को फैलने से रोक सकते हैं।

13 जनवरी को पीएम मोदी जेड मोड़ सुरंग का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली ।

पीएम मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे, ताकि सोनमर्ग को सभी मौसमों में पर्यटन स्थल बनाया जा सके।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेड मोड़ सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक सड़क को बाईपास करेगी, जिससे आगंतुक और स्थानीय लोग पूरे साल हिल स्टेशन का दौरा कर सकेंगे। वर्तमान में सड़क का गगनगीर-सोनमर्ग खंड भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अवरुद्ध हो जाता है। जेड मोड़ सुरंग जम्मू और कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी 2-लेन वाली सड़क सुरंग है। इसका नाम सड़क के जेड आकार के खंड के नाम पर रखा गया है, जिसे सुरंग में बदल दिया है। निकटवर्ती जोजी-ला सुरंग के साथ श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर यह भू-रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सुरंग बालटाल (अमरनाथ गुफा), कारगिल और लद्दाख क्षेत्र के अन्य स्थानों को साल भर मौसम-प्रूफ संपर्क प्रदान करेगी। सोनमर्ग को हर मौसम में संपर्क प्रदान करने के अलावा सुरंग स्थानीय युवाओं को रोजगार में मदद करेगी और क्षेत्र में पर्यटन और संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा देगी। यह 31 सड़क सुरंगों में से एक है, जिनमें से 20 जम्मू और कश्मीर में और 11 लद्दाख में हैं। इस बारे में अधिकारी ने बताया कि अगर मौसम ठीक रहा, तब पीएम मोदी स्वयं इस सुरंग का उद्घाटन करने वाले है। हालांकि, अगर मौसम की वजह से यात्रा संभव नहीं हुई तब इसका उद्घाटन ऑनलाइन किया जाएगा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट को गेम चेंजर करार दिया है।

तिरुपति मंदिर भगदड़ : रेड्डी ने मांगी माफी और कहा- जांच के बाद होगी कार्रवाई

हैदराबाद।

आंध्र प्रदेश स्थित मंदिरों के शहर तिरुपति में वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में विशेष दर्शन का टोकन लेने की जल्दी में मची भगदड़ में अचानक हादसा हो गया। जब यह हंगामा हुआ तब करीब 4 हजार से ज्यादा भक्त वहां मौजूद थे। जो भगदड़ मचने से हादसे की चपेट में आ गए।

मिली जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर में भीड़भाड़ और प्रशासन की चूक के कारण मची भगदड़ से करीब 6 लोगों की मौत हो गई। मंदिर में मची भगदड़ में छह घायलों में से एक मल्लिका नाम की महिला भक्त बैरागी पट्टीडा पार्क में टोकन काउंटर पर कतार में अपनी बारी का इंतजार कर रही थी अचानक बीमार पड़ गई और उसे हॉस्पिटल ले जाने के लिए गेट खोलते ही अचानक भगदड़ मच गई। यहां पर देश भर से हजारों भक्त 10 दिवसीय विशेष वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए आए, जो शुक्रवार से शुरू होने वाला है। घटना के बाद तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के बोर्ड मेंबर भानु प्रकाश रेड्डी ने कहा कि टोकन बांटने के लिए 91 काउंटर खोले गए थे। उन्होंने बताया कि इस भगदड़ में छह भक्तों की मौत हो गई, 40 घायल हो गए, टीटीडी के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ मैं भक्तों से माफी मांगता हूं हम मेडिकल सुविधाएं मुहैया करवा रहे हैं जांच करके कार्रवाई करेंगे।

टीटीडी चेयरमेन बीआर नायडू ने घटना के लिए मैनेजमेंट को जिम्मेदार ठहराया है यह हादसा एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही का नतीजा है डीएसपी ने एक तरफ का गेट खोल दिया और भगदड़ मच गई हादसे में घायल एक घायल की पहचान हुई है, आज मुख्यमंत्री नायूड उनके परिवार से मिलने जाएंगे! वैकुंठ एकादशी पर हर साल तिरुपति वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए लाखों भक्तों की भीड़ उमड़ती है देश के देश के कोने-कोने से लोग इन विशेष दिनों में तिरुपति के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं इस बार वैकुंठ द्वार दर्शन 10 जनवरी से 19 जनवरी तक होने हैं इस विशेष दर्शन के लिए ही टोकन बांटे जाने की व्यवस्था की गई थीद्य टोकन 9 जनवरी की सुबह से बांटे जाने थे, लेकिन इसके लिए 8 जनवरी की रात से ही लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई और भीड़ बढ़ने पर भगदड़ मच गईद्य

दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मुझे और मेरे दिवंगत पिता को बदनाम करने में लगाया

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बड़ा आरोप

ग्वालियर ।

केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया पर अक्सर निशाना साधते थे और अब वे उनके साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं। चार दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने दिग्विजय के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है।

सिंधिया कभी कांग्रेस में दिग्विजय के सहयोगी थे। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सिंह ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में एक घोटाले का खुलासा होने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया पर सवाल उठाए थे।

पिछले माह की शुरुआत में परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के पास से बेहिसाब संपत्ति बरामद हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में सिंधिया ने कहा, क्या यह कोई नई बात है? उन्होंने कहा, ''दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मेरे पूज्य पिता और मुझ पर निशाना साधने में बिताया है। मैंने कभी उन पर निशाना नहीं साधा। मैं जब भी उनसे मिलता हूं, आज भी उनका अभिवादन करता हूं।''

सिंधिया ने कहा, कोई भी अपनी विचारधारा के अनुसार अपनी सीमाएं तय कर सकता है। मेरी विचारधारा लोगों की सेवा करना है और यही मेरे जीवन का लक्ष्य है।

पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा पर लोकायुक्त के छापे के बाद पूर्व सीएम सिंह ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था, इसमें मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार की जांच उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की गई थी।

उन्होंने पत्र में आरोप लगाया था कि कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ पर सिंधिया के करीबी माने जाने वाले एक नेता को परिवहन मंत्री बनाने का दबाव था। दिल्ली में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बारे में सिंधिया ने कहा कि भाजपा पिछले साल हुए हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों की तरह विजयी होगी।

तूफानी हवा के झोंकों ने आग को और भड़का दिया

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग रिहायशी इलाकों में पहुंची, 5 लोगों की मौत

लॉस एंजिल्स।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग अब शहर के रिहायशी इलाकों तक पहुंच गई है। इसे राज्य के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी आपदा बताया जा रहा है। वहीं अधिकारियों ने बताया कि इस भीषण आग में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तूफानी हवा के झोंकों ने आग को और भड़का दिया है। बुधवार को अंगारे सैकड़ों गज तक फैल गए हैं और दमकलकर्मी उन्हें बुझा नहीं पा रहे हैं। इस बीच राष्ट्रपति बाइडेन ने आपतकाल की घोषणा कर दी है। बाइडेन ने बुधवार को मीडिया से कहा, हम हरसंभव प्रयास कर रहे हैं और इन आग को रोकने के लिए जितना संभव हो सके कर रहे हैं।

कैलिफ़ोर्निया की सबसे पसंदीदा रियल एस्टेट का एक बड़ा हिस्सा जलकर खाक हो गया है। लॉस एंजिल्स काउंटी के अग्निशमन प्रमुख एंथनी मार्रोन ने बताया कि इस तरह की आपदा उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी। उन्होंने कहा, हम अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमारे पास सभी विभागों में इतने अग्निशमन कर्मी नहीं हैं जो इसे संभाल सकें। सोशल मीडिया में शेयर किए गए कई वीडियो में भयानक मंजर दिखाई दे रहा है। पैसिफिक पैलिसेड्स में लगी इस आग में बुधवार दोपहर तक लगभग 16,000 एकड़ यानी 6,500 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया है। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े शहर के आसपास लगी इस आग में 1,500 बिल्डिंगें स्वाहा हो गई हैं। वहीं 1 लाख से अधिक लोगों को घरों से बाहर निकालना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तूफानी हवाओं की वजह आग को बुझाना नामुमकिन नजर आ रहा है और स्थिति बिगड़ती जा रही है।

लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने बताया कि पांच लोगों के मरने की खबर है। उन्होंने कहा, अभी स्थिति बहुत खराब है। इस आग पर कोई नियंत्रण नहीं है। मैं प्रार्थना कर रहा हूं कि हमें यह ना फैले लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। आग में बाल बाल बचे विलियम गोंजालेस ने बताया कि उनका घर जलकर खाक हो गया। उन्होंने बताया, हमने सब कुछ खो दिया है। लपटों ने हमारे सभी सपनों को जलाकर खाक कर दिया है। अधिकारियों ने हमें जाने के लिए कहा। हम सुबह 3 बजे ही निकल गए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदी भाषा की बढ़ती वैश्विक पहचान

हिंदी के अलावा अन्य 21 भाषाएँ भी राष्ट्रीय/संपर्क भाषाएँ हैं। आज़ादी के बहुत पहले हिंदी भारत के एक बड़े क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा थी, जो साहित्य (भाषा और साहित्य) और शब्द-भंडार की दृष्टि से समृद्ध थी, लेकिन प्रशासन, कानून, विज्ञान, वाणिज्य, प्रौद्योगिकी आदि अन्य क्षेत्रों में यह पूरी तरह से प्रवेश नहीं कर पाई थी। देश को आज़ादी मिलने के बाद संविधान का मसौदा तैयार करते समय संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजीव प्रसाद और उनके सदस्य चाहते थे कि भारत का संविधान भारतीय भाषा में बने, लेकिन यह देश का सौभाग्य था कि भारत का संविधान पहले अंग्रेजी में बना और बाद में इसका हिंदी में अनुवाद किया गया, क्योंकि संविधान का मसौदा तैयार करने वाले वैज्ञानिकों के सामने एक व्यावहारिक समस्या थी।

(लेखक- -संजय गोस्वामी)

विश्व हिंदी दिवस, 10 जनवरी को मनाया जाता है, यह दिन हिंदी भाषा की बढ़ती वैश्विक पहचान और सम्मान को दर्शाने के लिए समर्पित है। भारत सरकार ने 2006 में इस दिन को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी, ताकि हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक प्रतिष्ठा मिल सके। इस दिन का आयोजन दुनिया भर में हिंदी प्रेमियों और भाषा के प्रवर्तकों द्वारा किया जाता है, जिससे यह एक महत्वपूर्ण अवसर बन जाता है हिंदी के महत्व को स्वीकार करने और प्रचारित करने का।हिंदी भाषा वर्तमान में भारत सरकार और कुछ हिंदी भाषी राज्यों के साथ-साथ देश की राजभाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची के अनुसार यह एक प्रमुख राष्ट्रीय भाषा/संपर्क भाषा भी है। हिंदी के अलावा अन्य 21 भाषाएँ भी राष्ट्रीय/संपर्क भाषाएँ हैं। आज़ादी के बहुत पहले हिंदी भारत के एक बड़े क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा थी, जो साहित्य (भाषा और साहित्य) और शब्द-भंडार की दृष्टि से समृद्ध थी, लेकिन प्रशासन, कानून, विज्ञान, वाणिज्य, प्रौद्योगिकी आदि अन्य क्षेत्रों में यह पूरी तरह से प्रवेश नहीं कर पाई थी। देश को आज़ादी मिलने के बाद संविधान का मसौदा तैयार करते समय संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजीव प्रसाद और उनके सदस्य चाहते थे कि भारत का संविधान भारतीय भाषा में बने, लेकिन यह देश का सौभाग्य था कि भारत का संविधान पहले अंग्रेजी में बना और बाद में इसका हिंदी में अनुवाद किया गया, क्योंकि संविधान का मसौदा तैयार करने वाले वैज्ञानिकों के सामने एक व्यावहारिक समस्या थी। कारण यह था कि उन्हें कई वर्षों तक अंग्रेजी माध्यम से काम करने का अनुभव था। हिंदी को राजभाषा की गद्दी पर बैठने के लिए कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। किसी भी देश की पहचान उसके राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय भाषा से होती है। हमारे देश में राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गीत ही राष्ट्रीय भाषाएं हैं। गीत को तो बहुत जल्द स्वीकृति मिल गई लेकिन राष्ट्रीय भाषा के संदर्भ में ऐसा नहीं हुआ। जब संविधान में हिंदी को स्थान देने और उसे राजभाषा बनाने का प्रश्न उठा तो इसके खिलाफ काफी आवाजें उठीं। आखिरकार तीन दिन की लंबी बहस के बाद 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार कर लिया। इसके बाद भी हिंदी को कई संघर्षों का सामना करना पड़ा। संविधान के अनुच्छेद 343(1) में प्रावधान है कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी। अनुच्छेद 343(2) में कहा गया है कि संविधान के लागू होने से पंद्रह वर्ष की अवधि के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रथा जारी रहेगी। यह अवधि हिंदी को राजभाषा बनने के लिए दी गई थी। इस अवधि की समाप्ति से पूर्व ही कुछ स्वार्थी राजनीतिक कारणों से कुछ राज्यों में हिंदी को राजभाषा बनाने के विरुद्ध आवाज उठने लगी और तत्कालीन प्रधानमंत्री को आश्वासन देना पड़ा। यह आश्वासन देना पड़ा कि जब तक सभी राज्य अपने-अपने विधानमंडलों के माध्यम से संघ सरकार के साथ संपर्क की भाषा के रूप में हिंदी को नहीं अपना लेते, तब तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा। लेकिन व्यावहारिक दृष्टि से संघ में हिंदी ही एकमात्र प्रयुक्त होने वाली भाषा है। इसके विकास और प्रचार-प्रसार में थोड़ी बाधा आई। हिंदी की प्रगति में दूसरी बड़ी बाधा तब आई जब संविधान लागू होने के पच्चीस वर्ष तक राजभाषा नियम नहीं बन पाए। इन 25 वर्षों को हमने औपचारिकता के रूप में ही बिता दिया। इस तरह हिंदी भाषा का अंत हो गया। अंग्रेजी का प्रभुत्व होने और अनुवाद में हिंदी के लक्ष्य भाषा बन जाने के कारण यह अपूर्ण राजभाषा बनकर रह गई। यहां यह ध्यान देने योग्य बात है कि हिंदी भाषी राज्यों में राजभाषा हिंदी की स्थिति सरकारी स्थिति से बेहतर है, क्योंकि वहां की प्रांतीय सरकारों में आजादी से बहुत पहले से ही मुख्य रूप से हिंदी/उर्दू में ही काम होता था और आजादी के बाद भी यह निर्बाध रूप से जारी रहा।

राजभाषा अधिनियम 1963 और राजभाषा नियम 1976 के गठन के बाद यह महसूस किया गया कि हिंदी के माध्यम से प्रशासन का काम चलाने के लिए प्रशासनिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और कानूनी जैसी प्रारंभिक तैयारियों की आवश्यकता है। शब्दावली का निर्माण, प्रशासनिक और कानूनी साहित्य का हिंदी में अनुवाद, हिंदीतर भाषी कर्मचारियों को हिंदी में प्रशिक्षण और यांत्रिक सुविधाएं आदि। आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। सी। सभी विषय सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़े हुए हैं, ऐसी स्थिति में राजभाषा हिंदी कैसे अछूती रह सकती है। आज की स्थिति में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जो कंप्यूटर से प्रभावित न हो। आज शिक्षा, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, वाणिज्य, कला, विज्ञान, अनुसंधान, रेडियो और टीवी प्रसारण आदि विभिन्न क्षेत्रों में कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी का बोलबाला है। तकनीकी साधनों में विकास के साथ, हिंदी में काम करने के लिए कई साधन उपलब्ध हो गए हैं। लेकिन कंप्यूटर पर हिंदी में प्रशिक्षण की कमी के कारण लोगों को हिंदी का उपयोग करने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इसी तरह हिंदी के लिए भी कई सॉफ्टवेयर हैं। इसका विकास भी अलग-अलग चरणों में हुआ है।

शुरू में कुछ हिंदी सॉफ्टवेयर विकसित किए गए थे, जिनका इस्तेमाल मुख्य रूप से अंग्रेजी वर्ड प्रोसेसर की तरह हिंदी टाइपराइटर के तौर पर किया जाता था। उसके बाद सी-डैक द्वारा विकसित छ्ढ्ढस्ञ्ज सिस्टम विकसित किया गया। इसके आने से कई नई चीजें सामने आईं। पहला, इसका इस्तेमाल वर्ड स्टार, डी-बेस, लोटस आदि में किया जा सकता था, दूसरा, भारतीय भाषाओं में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता था। एक-दूसरे में अनुवाद किया जा सकेगा। ये सुविधाएं अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध हैं। इनके माध्यम से अब आप हिंदी में भी मेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, आजकल माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस एक्सपीरिएंस के लिए हिंदी सॉफ्टवेयर खरीदने की जरूरत नहीं है। इसमें हिंदी में काम करने की सुविधा उपलब्ध है। जरूरत सिर्फ हिंदी को एक्टिवेट करने की है। हिंदी और भारतीय भाषाओं पर आधारित सॉफ्टवेयर विकसित करने में सी-डैक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आजकल बोलकर टाइप करने (स्पीच-टू-टेक्स्ट) की सुविधा भी उपलब्ध है। और राजभाषा विभाग द्वारा स्मृति आधारित अनुवाद कंठस्थ 2.0 की सुविधा भी उपलब्ध करा दी गई है। केंद्र सरकार के कार्यालयों/उपक्रमों/बैंकों/निगमों आदि में राजभाषा हिंदी में काम करने के लिए ऐसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यांत्रिक/इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं, संदर्भ साहित्य है, हिंदी में काम करने और मार्गदर्शन करने की क्षमता/योग्यता रखने वाले अधिकारी और कर्मचारी हैं। इसके बावजूद, संविधान बनाते समय संविधान निर्माताओं ने जितनी कल्पना की थी, उतना काम नहीं हो पाया है। उदासीन मानसिकता और इच्छाशक्ति ज्ञान की कमी इसका कारण हो सकती है। अतः यह आवश्यक है कि हम सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करें और करवाएं।

संपादकीय

बस्तर में नश्तर

छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा से ग्रस्त बस्तर के इलाके में पत्रकारिता करना तलवार की धार पर चलने जैसा ही है क्योंकि उन्हें न केवल माओवादियों व पुलिस प्रशासन के कोप का भाजन बनना पड़ता है, बल्कि अपराधी राजनेताओं व ठेकेदारों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। इसी कड़ी में टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर की क्रूरता से हत्या करने और शव को सेप्टिक टैंक में डालने की वीभत्स घटना सामने आई। हत्या की वजह मुकेश द्वारा माओवादी इलाके में एक सड़क निर्माण में धांधली उजागर करना बताया गया है। खबर बीते साल दिल्ली के एक बड़े चैनल से प्रसारित हुई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस मामले में जांच बैठाई थी। मुकेश की हत्या नये साल के पहले दिन की गई और तीन जनवरी को ठेकेदार द्वारा बनाये घरों के पुराने सेप्टिक टैंक से मुकेश का शव बरामद किया गया। बाद में मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। दरअसल, ठेकेदार से राजनेता बने सुरेश चंद्राकर कांग्रेस के एक प्रकोष्ठ में राज्य स्तरीय पदाधिकारी रहे हैं। कहते हैं कि पिछले महाराष्ट्र चुनाव में वे एक विधानसभा के पर्यवेक्षक भी रहे हैं। जिसके चलते इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हुई। एक ओर बीजेपी ने हत्यारे पर कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने का आरोप लगाया तो कांग्रेस ने राज्य में बिगड़ती कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। इस मुद्दे पर दोनों तरफ से खूब बयानबाजी हुई। लेकिन इसके बावजूद एक हकीकत यह है कि पत्रकारों को केवल माओवादियों व सुरक्षाबलों के गुस्से का ही शिकार नहीं होना पड़ता, उन्हें ठेकेदारों, राजनेताओं व अन्य अपराधी तत्वों की हिंसा का भी शिकार होना पड़ता है। उन्हें निर्भीक पत्रकारिता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। कहने को तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कह रहे हैं कि वे स्थिति से परिचित हैं और पत्रकारों के साथ खड़े हैं। लेकिन व्यवहार में पत्रकारों की सुरक्षा राम भरोसे ही है। उल्लेखनीय है कि ठेकेदार की क्रूरता का शिकार हुए मुकेश को पहले माओवादियों ने पुलिस- सरकार का आदमी बताकर धमकाया था। परिजनों का आरोप है कि माओवादियों की धमकी भरी चिट्ठी से पहले सुरक्षा बलों ने मुकेश समेत कुछ अन्य पत्रकारों पर बंदूक तानकर धमकाया था। जिसकी रिपोर्ट भी मुकेश ने बनायी थी। इससे कुछ माह पूर्व बीजापुर के एसडीएम ने मुकेश समेत कुछ पत्रकारों को माओवादी हिंसा की खबर प्रकाशित करने पर नोटिस देकर जवाब मांगा था। वहीं बीजापुर में कांग्रेस अध्यक्ष ने खबरों में पक्षपात के आरोप लगाकर मुकेश समेत कुछ पत्रकारों का बहिष्कार पत्र जारी किया था। घटनाक्रम का दुखद पहलू यह है कि मुकेश की हत्या माओवादियों, सुरक्षा बल या किसी राजनीतिक दल ने नहीं बल्कि एक ऐसे भ्रष्ट ठेकेदार ने की है, जो मुकेश का रिश्तेदार भी था। निश्चय ही यह घटना अन्य पत्रकारों के लिये लगातार असुरक्षित होते हालात की तरफ भी इशारा करती है। कुछ साल पहले बीजापुर में पत्रकार साईं रेड्डी की हत्या कर दी गई थी। जिसे पहले पुलिस ने छत्तीसगढ़ जन सुरक्षा कानून में जेल भेज दिया था और बाद में माओवादियों ने उसकी हत्या कर दी थी। बाद में पत्रकारों के आंदोलन के बाद माओवादियों ने खेद जताया कि यह शीर्ष नेतृत्व का फैसला नहीं था। निचले कैडर की लापरवाही से उनकी हत्या हुई। इससे पहले माओवादियों ने उन पर पुलिस का मुखबिर होने का आरोप लगाकर उनके घर तक को बम से उड़ा दिया था। दरअसल, मुकेश चंद्राकर एक निर्भीक पत्रकार थे। वे न केवल एनडीटीवी के लिये काम करते थे बल्कि यू ट्यूब पर 'बस्तर जंक्शन' के नाम से एक लोकप्रिय चैनल भी चलाते थे।

दुनिया की तीसरी प्रचलित भाषा होने पर भी हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा क्यों नहीं है?

(लेखक-सुदर्शन व्यास)

इसमें कोई दो राय नहीं कि हिंदी अब धीरे - धीरे रोजगार की भाषा बनती जा रही है। हिंदी राष्ट्रीय स्तर हो या अंतरराष्ट्रीय स्तर, हर स्तर पर छाई हुई है। अस्सी - नब्बे के दशक के बाद जब तकनीकी क्रांति जोर पकड़ने लगी तो अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों का भारत में आगमन हुआ।

तकनीकी वस्तुओं का प्रचलन अधिक हुआ, कंप्यूटर-मोबाइल जैसे तकनीक उपकरणों आदि का वर्चस्व स्थापित हो गया। इन सब कार्यों में अंग्रेजी का भरपूर उपयोग होता था, तब ऐसा लगा कि अंग्रेजी छा जाएगी और हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि हिंदी और आगे बढ़ती गई। हिंदी की लोकप्रियता हर मापदण्डों को पछाड़ते हुई और भी ज्यादा बढ़ी है।

इन सब बातों के अलावा एक कसक भी है कि हिंदी बदलते दौर के साथ अपना स्वरूप भी बदल रही है। कई ऐसे तीखे़ सवाल भी है, जो हिंदी हमसे पूछती है लेकिन उनके जवाब हमारे पास नहीं होते। कसक ये है कि हम हिंदी भाषी होने पर गर्व से फूले नहीं समाते लेकिन हिंदी के उच्चारण, वर्तनी और लेखन में शुद्धता पर कभी ध्यान ही नहीं देते हैं।

एक उदाहरण ही लें तो बाज़ार में लोग हिंदी भाषा में अपनी दुकानों के नामों का उपयोग करते हैं लेकिन ज्यादातर लोग इस बात पर कभी गौर नहीं करते कि हिंदी में अशुद्धियां कितनी ज्यादा है ? इसका कारण है कि हमने अब हिंदी लिखने के लिए गूगल का सहारा लेना शुरु कर दिया है, अब पत्र और डायरी लिखना बीते ज़माने की बातें हो गई।

बाकि, हिंदी दिवस पर हमारा चिंतन इसी बात को लेकर रहता है कि हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना है। हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में हिंदी चिंतकों और प्रेमियों द्वारा उपयोग किये गए शेर, शायरी से लेकर लच्छेदार भाषणों का केंद्र यही होता है, लेकिन असलीयत यही है कि हिंदी ग्लोबल तो हो रही है लेकिन कहीं न कहीं सिकुड़ती भी जा रही है।

हालांकि, हिंदी का मान बढ़ाने में महती भूमिका मीडिया जगत के अलावा हिंदी फिल्मों, टेलीविजन पर बनने वाले नाटकों ने भी निभाई है। यदि हम बात क्लिष्ट अर्थात् शुद्ध हिंदी की करें तो व्यक्ति व्याकरण के भंवर में उलझ सकता है। यकीनन, शुद्ध हिंदी सबके बस की बात नहीं है, तभी तो सामान्य बोलचाल की भाषा में अंग्रेजी, उर्दू, फारसी, अरबी समेत तमाम भाषाओं के शब्दों का उपयोग हम हिंदी में सामान्य रूप से करते हैं। हिंदी ने हर भाषा को स्वीकार कर उसके शब्दों को अपने अस्तित्व में ढाल लिया, इसीलिए इसे भाषाओं की मां का दर्जा दिया गया है, क्योंकि हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जिसमें भावनाएं भी सहज रूप से प्रतीत होती है।

यदि हम बात रोज़गार की करें तो इसे रोज़गार परक बनाने में मीडिया की बड़ी भूमिका है, इस जगत में अनेक हिंदी समाचार चैनलों, समाचार पत्र व पत्रिकाओं के आगमन से पत्रकारिता के क्षेत्र में रोजगार की बिल्कुल भी कमी नहीं है। अब तो गूगल ने भी हिंदी का महत्व समझते हुए हिंदी पर काफी काम किया है, इतना ही नहीं माइक्रोसॉफ्ट कंप्यूटर के निर्माण के समय हिंदी को पूरा महत्व देता है और हिंदी फॉन्ट की उपलब्धता आज बेहद आसान हो गई है। इन सबका एक ही प्रमुख कारण है कि हिंदी विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बनकर अपना अस्तित्व समूचे विश्व के सामने बना रही है। इस भाषा के बोलने वालों की संख्या अब 50 करोड़ को पार कर गई है तथा इस भाषा को समझने वाले लोगों की संख्या पूरे विश्व में 1 अरब से भी ज्यादा है। अतः हिंदी में निरंतर रोजगार की संभावनाएं बढ़ती ही जा रही है। अब वो समय गया जब लोग कहते थे कि अंग्रेजी रोजगार की भाषा है।

खैर, चिंतन फ़िर भी जारी है कि हिंदी भले ही समूचे विश्व की तीसरे नंबर की भाषा बन गई हो। आज दुनिया भर में बोली जाने वाली सभी भाषाओं में हिंदी तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है। वर्ल्ड लैंग्वेज डेटाबेस के 22वें संस्करण इथोनोलॉज में बताया गया कि दुनियाभर की 20 सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में 6 भारतीय भाषाएं हैं, जिनमें हिंदी तीसरे स्थान पर है, यानि दुनियाभर में 61.5 करोड़ लोग हिंदी भाषा का उपयोग करते हैं, लेकिन भारत में हिंदी आज भी राष्ट्रभाषा के दर्जे से अछूती है।

(शोधार्थी एवं पत्रकार हैं)

(चिंतन-मनन)

सुखी रहना है तो भगवान से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दु?ख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है।

शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समाप्त नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चप्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दु?ख सहना पड़ता है। इसलिए दु- ख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुग्ख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

विचार मंथन

भारत की राजनीति मे पूंजीपतियों का बोलबाला

(लेखक-सनत जैन)

अडानी समूह भारी पड़ा, कांग्रेस और राहुल गांधी पर

भारत की राजनीति पूंजीपतियों द्वारा संचालित

अमेरिका की तरह अब भारत की राजनीति को पूंजीपति नियंत्रित कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के पहले इंडिया गठबंधन बना।जिसमें देश की सभी विपक्षी पार्टियों शामिल हुई। विशेष रूप से विभिन्न राज्यों के क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन में शामिल हुए। जब इंडिया गठबंधन बना था,तब यह कयास लगाए जा रहे थे,जल्द ही इंडिया गठबंधन अंतर विरोध के कारण टूट जाएगा। भारतीय जनता पार्टी को चिंता हुई। इंडिया गठबंधन से जल्द ही नीतीश कुमार बाहर हो गए। उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली।लोकसभा चुनाव के परिणाम ने भाजपा को चौंका दिया। कहां भारतीय जनता पार्टी 400 सीटें पार करने की बात कह रही थी। जब चुनाव परिणाम सामने आए,तब भारतीय जनता पार्टी 240 सीटों पर सिमट कर रह गई। एनडीए के सहयोगी दलों के साथ केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी।

इसके बाद सरकार और अडानी समूह ने इंडिया गठबंधन को गंभीरता से लिया। राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल जिस तरह से अडानी समूह के पीछे पड़े हुए थे। उसके बाद सरकार और अडानी समूह ने मिलकर अपनी रणनीति को बदल दिया। क्षेत्रीय दलों को अडानी द्वारा आर्थिक मदद दी गई। जिसका परिणाम अब देखने को मिल रहा है। अडानी समूह ने सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को अपने निशाने पर लिया। सबसे पहले ममता बेनर्जी को घेरा, उसके बाद बिहार में लालू यादव को अपने निशाने पर लिया। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव भी अडानी के निशाने पर आए। सभी की आर्थिक ज़रूरतें पूरी हुई। इन्होंने अडानी के मामले में चुप्पी साध ली। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों ने खुलकर कांग्रेस के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया। ममता बेनर्जी खुद इंडिया गठबंधन का नेतृत्व मांगने लगी। इसका समर्थन लाल यादव ने कर दिया। अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ अपनी दूरियां बनाना शुरू कर दी। एक तरह से यह सारे क्षेत्रीय दल अडानी के कारण अप्रत्यक्ष रूप से कांग्रेस से दूर और केंद्र सरकार के नजदीक आते चले गए।

लोकसभा के शीतकालीन सत्र में राहुल गांधी अडानी के खिलाफ काम रोको प्रस्ताव पर बहस करने के लिए अड़े रहे। इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दलों ने इस मामले में अपना पल्ला झाड़ लिया। उसके बाद से ही यह खबर आ रही थी। केंद्र सरकार और अडानी समूह के बीच जो रणनीति बनी थी, उसमें क्षेत्रीय दल फंस गए हैं। केंद्र सरकार के इशारे पर अडानी समूह द्वारा क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के साथ संपर्क बनाकर उन्हें बड़ी आर्थिक सहायता दी गई। कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को खड़ा कर दिया। जिसके कारण किसी भी काम रोको प्रस्ताव पर संसद में चर्चा नहीं हुई। इसका फायदा सरकार को हुआ।संसद के शीतकालीन सत्र में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने अडानी समूह के मामले में कांग्रेस के साथ अपनी दूरियां बना ली। कांग्रेस संसद में अलग-थलग पड़ गई। इसका फायदा अडानी समूह को हुआ, और केंद्र सरकार को भी हुआ।

हाल ही में दिल्ली विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी इस चुनाव में आमने सामने हैं। भारतीय जनता पार्टी को इस बार बड़ी आशा है, दिल्ली में उनकी जीत होगी। इंडिया गठबंधन के सहयोगी के रूप में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने लोकसभा का चुनाव लड़ा था। अब दोनों के आमने-सामने चुनाव लड़ने से इसका फायदादिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को होगा।

रही सही कसर महाराष्ट्र से आ रही है। उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना और शरद पवार की राकापा अडानी समूह और भाजपा के पक्ष में खड़ी नजर आ रही है। पिछले कुछ दिनों से शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने भाजपा सरकार के प्रति नरम रुख अख्तियार कर लिया है। महाराष्ट्र की भाजपा सरकार और अडानी समूह के बीच धारावी की जमीन को लेकर जो समझौता हुआ था।उस पर उद्धव ठाकरे ने लड़ने की बात कही थी लेकिन अब चुप्पी साध ली है। राहुल गांधी द्वारा अडानी का विरोध करने पर शरद पवार भी अब कांग्रेस का विरोध करते हुए, केंद्र सरकार के पाले में बैठ गए हैं। जल्द ही सुप्रिया सुले के केंद्र में मंत्री बनने की बात सामने आ रही है। इस सारी राजनीतिक जोड़तोड़ से यह स्पष्ट है क्षेत्रीय दलों की जलेबी,अडानी का सीरा पी गई है। लोकतंत्र खतरे में है अब यह लड़ाई कांग्रेस के मतथे छोड़ दी है। केंद्र की सरकार को अब कोई खतरा नहीं है। बिहार में नितीश बाबू के तेवर भी ठंडे पड़ गए हैं। आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री ने 2 लाख करोड़ का नया तोहफा दे दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टीवी टुडे नेटवर्क अपना रेडियो कारोबार 104.8 एफएम करेगी बंद

नई दिल्ली । मीडिया हाउस टीवी टुडे नेटवर्क अपने इश्क 104.8 एफएम ब्रांड नाम के तहत संचालित रेडियो कारोबार को अगले छह महीने में बंद करने पर विचार कर रही है। टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने गुरुवार को हुई बैठक में एफएम रेडियो कारोबार को बंद करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। टीवी टुडे नेटवर्क वर्तमान में 104.8 एफएम आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) के तहत मुंबई, दिल्ली और कोलकाता में तीन एफएम रेडियो स्टेशन संचालित करता है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में इसके राजस्व में 1.7 प्रतिशत का योगदान दिया था। कंपनी के अनुसार टीवी टुडे नेटवर्क लिमिटेड के निदेशक मंडल ने बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ नियामक अनुमोदन और अन्य आवश्यक अनुपालनों को पूर्ण करने के अधीन कंपनी के एफएम रेडियो प्रसारण परिचालन को बंद करने को मंजूरी दे दी है। टीवी टुडे ने बताया कि रेडियो कारोबार करीब एक से छह महीने में बंद हो जाएगा। निजी समाचार चैनल प्रसारक ने कहा कि उद्योग की स्थिति, इसकी गतिशीलता और एफएम रेडियो प्रसारण व्यवसाय के विकास को देखते हुए निदेशक मंडल ने इस कारोबार को जारी रखने के बजाय इसे बंद करना ही कंपनी के हित में समझा।

जुपिटर क्षमता विस्तार पर 6,500 करोड़ का करेगी निवेश

नई दिल्ली । सौर समाधान प्रदाता जुपिटर इंटरनेशनल ने अगले तीन साल में क्षमता को बढ़ाने के लिए 6,500 करोड़ रुपये का निवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि वेफर्स के लिए तीन गीगावाट, सेल्स के लिए 9.4 गीगावाट, और मॉड्यूल के लिए छह गीगावाट की नियोजित क्षमता के साथ उसका लक्ष्य अत्याधुनिक व विश्वसनीय सौर समाधानों के साथ बढ़ती बाजार मांग को पूरा करना है। जुपिटर इंटरनेशनल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जुपिटर में हम सिर्फ क्षमता विनिर्माण ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम सौर विनिर्माण में अग्रणी होने का अर्थ भी पुनर्परिभाषित कर रहे हैं।

सीमेंट सेक्टर का सबसे बड़ा आईपीओ आने को तैयार

जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है

नई दिल्ली । जीएसडब्ल्यू सीमेंट ने आईपीओ लाने की तैयारी कर ली है, उम्मीद की जा रही है कि यह आईपीओ जल्द ही बाजार में प्रवेश करेगा। कंपनी इस आईपीओ के माध्यम से 4000 करोड़ रुपए की राशि जुटाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। सेबी की मंजूरी के बाद इस आईपीओ ली प्रक्रिया की शुरुआत की जा रही है। 2000 करोड़ रुपए के फ्रेश इश्यू के साथ ही 2000 करोड़ रुपए का ऑफर फॉर सेल भी होगा। इस ऑफर फॉर सेल में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट, सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भी शामिल होंगे। जेएसडब्ल्यू सीमेंट का यह आईपीओ सेक्टर में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो नुवोको विस्टा के बाद सीमेंट उद्यम के लिए सबसे बड़ा आईपीओ होगा। जुटाई गई राशि का इस्तेमाल नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाने, कर्ज चुकाने और कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने में किया जाएगा। जेएसडब्ल्यू सीमेंट जल्द ही अपनी ग्राइंडिंग कैपेसिटी बढ़ाकर देशभर में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की योजना बना रही है। जीएसडब्ल्यू सीमेंट का यह कदम निवेशकों के लिए एक भरोसेमंद मौका प्रदान करता है, जो सीमेंट सेक्टर में अपनी स्थिति मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है।

सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के लिए समयसीमा में संशोधन किया

सेबी का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना

नई दिल्ली ।

हाल ही में सेबी ने क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से समयसीमा में परिवर्तन किया है। अब रेटिंग एजेंसियों को क्रियाकलापों को लेकर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने के लिए कार्य दिवसों की समयसीमा बढ़ा दी गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि निवेशकों को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी शेयर बाजार की ओर ले जाना। सेबी के इस प्रक्रियापरक संशोधन के तहत क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को सात कार्य दिवसों की समयसीमा के भीतर रेटिंग कार्रवाइयों पर प्रेस विज्ञप्ति जारी करने की अनिवार्यता है। इसके साथ ही चूक न करने वाला ब्योरा एनडीएस को तीन महीनों तक न देने पर संशोधित समयसीमा को पांच कार्यदिवस में समायोजित किया गया है। इससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों को ज़्यादा जिम्मेदारी सहित काम करने का दबाव महसूस होगा।

सेबी के नियमों में किए गए बदलावों के बाद शेयर बाजार में गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने वाले ब्रोकर और बड़ी कंपनियों पर भी नजर रखी जा रही है। सेबी ने हाल ही में फ्रंट रनिंग के मामले में जुर्माने और प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इससे शेयर बाजार में निवेशकों की रक्षा और बाजार की पारदर्शिता होने में मदद मिलेगी। सेबी के नए निर्देशों के माध्यम से निवेशकों को शेयर बाजार में अधिक विश्वास मिलेगा। सुरक्षित और पारदर्शी बाजार में निवेश करने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो अच्छे नियत से निवेशकों की सुरक्षा और हित की रक्षा करेगा।

सरकार एमएसएमई क्षेत्र के लिए नई ऋण गारंटी योजना जल्द करेगी शुरू

प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी मिलेगी

नई दिल्ली । वित्तीय सेवा सचिव एम. नागराजू ने घोषणा की कि सरकार जल्द ही एक नई ऋण गारंटी योजना शुरू करेगी जो सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के लिए होगी। इस योजना के तहत उपलब्ध होंगे तकरीबन 100 करोड़ रुपये तक के ऋण। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया था कि यह योजना 2024-25 के बजट में घोषित की गई थी। यह ऋण गारंटी योजना टर्म लोन की सुविधा प्रदान करेगी एमएसएमई को मशीनरी और उपकरण खरीदने के लिए। एक स्व-वित्तपोषण गारंटी कोष प्रत्येक आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी प्रदान करेगा। नागराजू ने बताया कि एमएसएमई का योगदान भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण है और यह योजना इसकी वृद्धि को गति देगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों को अधिक ऋण पहुंचाने के लिए सरकार कल्पना भरी है। उन्होंने दिखाया कि यह सरकार की मिशन है कि देश चारों दिशाओं में विकास करे और गुणवत्ता, निर्यात के लिए संपर्क और क्षमता निर्माण की दिशा में काम करे।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.85 रुपये पर बंद हुआ। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में एक पैसे की गिरावट के साथ 85.92 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गया। इसके साथ ही रुपये में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी बॉण्ड पर अधिक प्रतिफल के बीच विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी अमेरिकी मुद्रा को बल मिला, जबकि घरेलू शेयर बाजारों में मंदी के कारण भी रुपये में और गिरावट आई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.94 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर खुला। शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.92 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे टूटकर 85.91 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाले डॉलर सूचकांक में हालांकि 0.11 फीसदी की गिरावट आई लेकिन वह 108.80 के मजबूत स्तर पर बना रहा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिलेजुले रुख के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कंपनियों के तीसरी तिमाही के परिणामों के कमजोर रहने की आशंका और अमेरिकी ब्याज दरों में कम बार कटौती के संकेतों से भी निवेशकों ने सतर्कता बरती। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 528 अंक करीब 0.68 फीसदी की गिरावट के साथ ही 77,620.21 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 162.45 अंक तकरीबन 0.69 फीसदी टूटकर 23,526.50 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से टाटा स्टील, जोमैटो, एलएंडटी, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सन फार्मा, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एनटीपीसी के शेयर शेयर लाल निशान पर बंद हुए।

वहीं नेस्ले इंडिया, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईटीसी के शेयर हरे निशान में बंद हुए।

जानकारों के अनुसार बाजार में ये गिरावट विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी रहने से भी आई है। आईटी और वित्तीय शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया।

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो उनमें अस्थिरता दिखी। एशिया-प्रशांत के बाजार नीचे आये । वॉल स्ट्रीट के उतार-चढ़ाव वाले सेशन और फेडरल रिजर्व की बैठक के कारण भी निवेशकों में घबराहट रही। बैठक में संकेत दिया गया कि मुद्रास्फीति के बढ़ते दबावों के कारण ब्याज दरें लंबे समय तक अधिक बनी रह सकती हैं। वहीं

गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स गुरुवार को करीब 140 अंक की गिरावट लेकर 78,206 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 86.8 अंक फिसलकर 23,602.15 अंक पर खुला।। एशियाई बाजारों में निवेशक चीन के दिसंबर मुद्रास्फीति आंकड़ों का इंतजार कर रहे थे। निक्केई 0.49 फीसदी गिरा, टॉपिक्स इंडेक्स में 0.61 फीसदी की गिरावट रही और एएसएक्स 200 में 0.40 फीसदी की कमी दर्ज की गई। हालांकि, कोस्पी ने हल्की बढ़त के साथ कारोबार किया। अमेरिकी बाजारों में एसएंडपी 500 और डॉव जोन्स ने मामूली बढ़त दर्ज की। फेडरल रिजर्व के मिनट्स से यह साफ हुआ कि नीति निर्माताओं को मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़ने की चिंता है, जिससे नीतिगत ढील की गति धीमी होने की संभावना जताई जा रही है। एसएंडपी 500 में 0.16 फीसदी की बढ़त रही, डॉव जोन्स 0.25 फीसदी चढ़ा, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.06 फीसदी गिरकर बंद हुआ।

आर्थिक समीक्षा: आईफोन बनाने वाली कंपनी ने भारत से की अरबों रुपये की मांग!

- कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत रकम मिलनी चाहिए थी

नई दिल्ली ।

आईटी उद्योग के दो बड़े नाम फॉक्सकॉन और डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने भारत सरकार से अरबों रुपये की मांग की है। इन दोनों कंपनियों का कहना है कि उन्हें सरकार की प्रोडक्शन इंसेंटिव स्कीम के तहत यह रकम मिलनी चाहिए थी। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने इस स्कीम के तहत मैन्युफैक्चरर्स को देने का वादा किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई गई प्रोडक्शन-लिंक्ड सब्सिडी योजना के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए एक निश्चित मूल्य निर्धारित किया गया है। यह योजना उन कंपनियों को सब्सिडी देगी जो अपनी सीमा तक उत्पादन नहीं कर पाती हैं। बची हुई सब्सिडी उन कंपनियों को दी जाएगी, जिन्होंने अधिक उत्पादन किया है।

इस समय कंपनियों की जिज्ञासा में लाया जा रहा है कि सरकार की नीतियों के महत्वाकांक्षाओं के लिए यह एक महत्वपूर्ण परीक्षण है। इन कंपनियों ने भारत में बड़े निवेश किए हैं और उनका कहना है कि सरकार को उन नियमों का पालन करना चाहिए, जिनके तहत उन्होंने निवेश किया है। भारत में चिप निर्माताओं और टेक कंपनियों को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार के लिए अरबों का निवेश करने की आकर्षण महत्वपूर्ण है। इस योजना के माध्यम से कंपनियों को और भी बढ़ावा मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था में संवेदनशीलता और गति आएगी। इस मामले में सरकार के निर्णय का बड़ा महत्व है। फॉक्सकॉन और डिक्सन की मांग को देखते हुए, सरकार को सकारात्मक और कारगर निर्णय लेने की आवश्यकता है ताकि आगे बढ़ने में आईटी सेक्टर को पोषित किया जा सके। अंत में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उत्कृष्ट नीतियों के माध्यम से आईटी कंपनियों को यह सुनिश्चित किया जाए कि वे देश की अर्थव्यवस्था में योगदान करने के लिए समर्थ हैं और देश के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

चालू वित्त वर्ष में 6.3 फीसदी रहेगी आ र्थिक वृद्धि दर: एसबीआई

नई दिल्ली। एसबीआई द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले वित्त वर्ष 2024-25 में आर्थिक वृद्धि दर देश के अच्छे वृद्धि के दौरान राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पूर्वानुमान से कम रह सकती है। एनएसओ ने 2024-25 के जीडीपी की वृद्धि दर का अनुमान बताया है, जो एसबीआई के दावे से कम है। इस दावे के बीच का अंतर हमेशा रहा है, पर इस बार यह 0.20-0.30 फीसदी तक हो सकता है। चालू वित्त वर्ष के लिए अब उचित अनुमान के रूप में 6.4 फीसदी की वृद्धि दर बाह्य दिख रही है, लेकिन एसबीआई का कहना है कि यह 6.3 फीसदी भी हो सकती है। आरबीआई का विकास दर का अनुमान 6.6 फीसदी है। अगले वर्ष राजकोषीय घाटे में एक अक्षमता होने की संभावना है, इसलिए सरकार चाहेगी कि उसके अनुरूप व्यवहार करने के संभावना समय पर हो। जीडीपी में सुस्ती की पहली अग्रिम अनुमान सुझाव देती है, लेकिन पहले महीने में चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा 4.9 फीसदी हो सकता है। एक अच्छा संकेत है कि निर्यात में भी अच्छी गति है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है।

मार्क जुकरबर्ग ने वीडियो के जरिए मेटा के नए फैसले का किया ऐलान

- जुकरबर्ग के हाथ में बंधी लक्जरी घड़ी ने सबका ध्यान खींचा, 250 दिन में बनती है एक वॉच

वाशिंगटन । सोशल मीडिया की दुनिया के मशहूर नाम और फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक वीडियो के माध्यम से मेटा के नए फैसले का ऐलान किया। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका में मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर थर्ड-पार्टी फैक्ट-चेकिंग को बंद कर दिया जाएगा। जुकरबर्ग ने इस कदम को स्वतंत्रता के समर्थन में उठाया है, खासकर डोनाल्ड ट्रंप की वापसी के बाद। इस घोषणा के दौरान उनके हाथ में बांधी गई लग्ज़री घड़ी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस ग्रूबल फोर्सी हैंड मेड 1 वॉच की कीमत लगभग 9 लाख अमेरिकी डॉलर, अर्थात लगभग 7.5 करोड़ भारतीय रुपये है। यह घड़ी दुनिया की सबसे दुर्लभ और बारीकी से बनाई गई घड़ियों में से एक है। इसमें हर एक हिस्सा हाथ से तैयार किया जाता है, जिसमें सबसे जटिल हिस्सा हेरस्प्रिंग भी शामिल है। इसे बनाने में करीब 6,000 घंटे और 3 साल का समय लगता है। इसमें 272 अलग-अलग हिस्से हैं, जिन्हें हाथ से पूरी बारीकी से तैयार किया गया है। इसकी खासियतों में ग्राटे फिनिश, हाथ से पॉलिश किए गए किनारे और विशेष रूप से तैयार किए गए फ्लेम-ब्लू हैंड्स शामिल हैं। इसका केस व्हाइट गोल्ड से बना है और इसका पावर रिजर्व 60 घंटे तक है। यह 30 मीटर गहराई तक वॉटर-रेसिस्टेंट है और 2020 में बेस्ट मेन्स कॉम्प्लिकेशन वॉच का खिताब जीत चुकी है। गौरतलब है कि दुनिया की सबसे महंगी घड़ी ग्राफ डायमंड्स हॉलुसिनेशन है, जिसकी कीमत 55 मिलियन डॉलर, अर्थात लगभग 455 करोड़ भारतीय रुपये है। इस घड़ी के निर्माण में 110 कैरेट के रंग-बिरंगे दुर्लभ हीरों का इस्तेमाल हुआ है, जो अलग-अलग आकार और रंग में हैं। इसे प्लैटिनम ब्रेसलेट पर सेट किया गया है और इसे 2014 में ग्राफ डायमंड्स कंपनी ने पेश किया था।

भारत में स्टारलिंक का लॉन्च बड़े विवाद में फंसा

नई दिल्ली ।

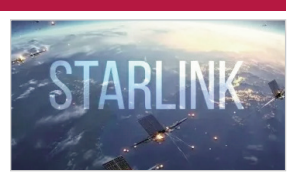

भारत में अमेरिकी उदयोगपति एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक का लॉन्च एक बड़े विवाद में फंस गया है। केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हुई छापेमारी के दौरान तस्करों से स्टारलिंक डिवाइस बरामद होने के बाद इस डिवाइस की खरीद और उपयोग से संबंधित जानकारी मांगी है।

हालांकि, स्टारलिंक ने ग्राहकों की गोपनीयता का हवाला देते हुए यह जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया है। सरकार ने इस मुद्दे पर सख्ती दिखाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जब तक स्टारलिंक डिवाइस की खरीद और सुरक्षा से संबंधित सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं देती, तब तक भारत में उसके लॉन्च को अनुमति नहीं दी जाएगी। इस घटनाक्रम से न केवल स्टारलिंक के भारत में लॉन्च में देरी हो सकती है, बल्कि कंपनी की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में अधिकारियों ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान तस्करों के पास से स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट डिवाइस बरामद हुआ। अधिकारियों का कहना है कि तस्कर इस डिवाइस का इस्तेमाल नेविगेशन के लिए कर रहे थे। इस घटना के बाद सरकार ने स्टारलिंक से इस डिवाइस के खरीदार की जानकारी मांगी, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह भारत में कैसे पहुंचा।

स्टारलिंक ने सरकार के इस अनुरोध को यह कहते हुए ठुकरा दिया कि वह अपने ग्राहकों की निजता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन सरकार का मानना है कि सुरक्षा से जुड़े मामलों में ऐसी जानकारी साझा करना आवश्यक है। गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी से स्पष्ट जवाब मांगा है। भारत सरकार के अधिकारियों को चिंता है कि अगर ऐसे उपकरणों का दुरुपयोग जारी रहा तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने स्टारलिंक से यह जानने की मांग की है कि वह अपने उपकरणों के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या कदम उठा रही है और ग्राहकों के डेटा को सुरक्षित रखने के लिए उसकी नीति क्या है। इन विवादों के चलते स्टारलिंक के भारत में लॉन्च की समयसीमा प्रभावित हो सकती है।

इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में बड़ी साझेदारी की तैयारी

नई दिल्ली

कारें बनाने वाली कंपनी हुंडई इंडिया और टीवीएस मोटर मिलकर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर बनाने की योजना बना रहे हैं। हुंडई और टीवीएस की यह साझेदारी भारतीय बाजार में न केवल प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगी, बल्कि उपभोक्ताओं को नए और उन्नत विकल्प भी प्रदान करेगी।

भारत के तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक व्हीकल बाजार में एक बड़ी साझेदारी की तैयारी हो रही है। इस नए वाहन का निर्माण टीवीएस द्वारा किया जाएगा, जबकि इसके डिजाइन और इंजीनियरिंग की जिम्मेदारी हुंडई पर होगी।

दोनों कंपनियां इस साझेदारी के माध्यम से लास्ट-माइल मोबिलिटी सेगमेंट में अपनी उपस्थिति मजबूत करना चाहती हैं। सूत्रों के अनुसार, यह सहयोग अनुबंध निर्माण समझौते के तहत किया जाएगा, जिसमें हुंडई अपना माइक्रो-मोबिलिटी व्हीकल आर्किटेक्चर भी टीवीएस के साथ साझा करेगी। हालांकि, दोनों कंपनियों ने आधिकारिक रूप से इस साझेदारी की पुष्टि नहीं की है। हुंडई अपने क्रेटा ईवी और अन्य कॉन्सेप्ट्स को आगामी भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में पेश करने की योजना बना रही है। वहीं, टीवीएस भी 2025 तक अपना खुद का इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

इस साझेदारी के जरिए हुंडई को भारत में अपने ऐप-आधारित प्लेटफॉर्म शुकले को लॉन्च करने का अवसर मिलेगा। शुकले एक डिमांड-रिस्पॉन्सिव राइड-पूलिंग सेवा है, जो रीयल-टाइम डिमांड के आधार पर फ्लेक्सिबल रूटिंग प्रदान करती है। भारत में इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर की मांग तेजी से बढ़ रही है। 2024 में इस सेगमेंट की 20 प्रतिशत ग्रोथ दर्ज की गई, और 6,31,855 यूनिट्स बेची गईं। वर्तमान में महिंद्रा इस बाजार में अग्रणी है, जबकि बजाज और कई स्टार्टअप्स भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को भी कोई बदलाव नहीं देखा जा रहा है।

मार्च 2024 के बाद से ईंधन की कीमतों में कोई संशोधन नहीं किया गया है। तेल कंपनियों के मुतो बिक गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें देश के प्रमुख शहरों मे इस प्रकार हैं-

मुंबई में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 100.85 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.44 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर, डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर। लखनऊ पेट्रोल 94.65 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा पेट्रोल 94.87 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.76 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम पेट्रोल 94.98 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.85 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति लीटर, डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, पटना पेट्रोल 105.42 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.27 रुपए प्रति लीटर।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मंधाना की कप्तानी में आज आयरलैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

राजकोट (एजेंसी)। स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय महिला किकेट टीम आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रही एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में जीत के इरादे से उतरेगी। हाल में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में जीत से टीम उत्साहित है और उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनो ही प्रारूपों में सबसे अधिक रन बनाए। अब उनका लक्ष्य इस सीरीज में भी बेहतर बल्लेबाजी करना रहेगा।

इस सीरीज में नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम देकर मंधाना को कप्तानी दी गयी है। हरमनप्रीत के अलावा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को भी आराम दिया गया है। ऐसे में इस सीरीज में हरलीन देयोल, प्रतीका रावल को शामिल किया गया है। टीम में रन बनाने की जिम्मेदारी मंधाना के अलावा जेमिमा रौड्रिग्स पर भी रहेगी।

गेंदबाजी में रेणुका के नहीं होने से अब नई गेंदबाज टिटास साधू और साइमा ठाकोर को शामिल किया गया है। एकदिवसीय में तीन और टी20 में 13 विकेट ले चुकी साधू इस बार भी बेहतर करना चाहेंगी। उन्होंने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी रफ्तार और स्विंग से प्रभावित किया है। वहीं साइमा ने अब तक आठ एकदिवसीय में सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा आफ स्पिनर और उपकप्तान दीप्ति शर्मा की भूमिका भी अहम होगी जिसने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 31 रन देकर छह विकेट लिये। उनका साथ देने के लिये प्रिया मिश्रा और तनुजा कंवर होंगी।

ऑलराउंडर राघवी बिष्ट और सयाली सतघारे को भी टीम में शामिल किया गया है। वह इस अवसर का लाभ उठाना चाहेंगी। वहीं दूसरी ओर गैरी लुईस की कप्तानी वाली आयरलैंड भी अपनी ओर से पूरी तकता लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो आयरलैंड टीम ने अब तक 12 एकदिवसीय में एक भी बार भारत को नहीं हराया है। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

टीम

भारत - स्मृति मंधाना (कप्तान), दीप्ति शर्मा, प्रतीका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, उमा छेत्री, रिचा घोष, तेजल हसंबिस, राघवी बिष्ट, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, टिटास साधू, साइमा ठाकोर, सयाली सतघारे।

आयरलैंड - गैबी लुईस (कप्तान), एवा केनिंग, क्रिस्टिना रीली, अलाना डालजेल, लौरा डेलानी, जॉर्जिना डेंपसे, सारा फोर्ब्स, अर्लेने केली, जोआना लोगरान, एमी मागिरे, लीह पॉल, ओर्ला प्रेंडेरगास्ट, उना रेमंड होए, फ्रेया सार्जेंट, रेबेका स्टोकेल।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका दौरे के लिए घोषित की टीम , स्मिथ करेंगे कप्तानी

-कोनोली पहली बार शामिल, मैकस्वीनी की भी वापसी

सिडनी (एजेंसी)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने श्रीलंका के खिलाफ इसी माह 29 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 खिलाड़ियों की अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को दी गयी है क्योंकि टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी निजी कारणों से टीम से बाहर हैं। इसके साथ ही वह उनके टखने में भी चोट है। इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व अंडर-19 क्रिकेट टीम के उपकप्तान कूपर कोनोली को भी जगह मिली है। इसके अलावा युवा खिलाड़ी नाथन मैकस्वीनी की भी वापसी हुई है। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ सीरीज में विफल होने के कारण अंतिम टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। स्पिनर मैट कुहनेमैन और टॉड मर्फी को भी टीम में जगह मिली है। जोश हेजलवुड और मिशेल मार्श को फिट नहीं होने के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।,

वहीं ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, स्पिनर एडम जाम्पा और पीटर हैंड्सकॉम्ब जैसे खिलाड़ियों को दौरे के लिए संभावित खिलाड़ियों के रूप में गया था पर टीम में शामिल नहीं किया गया है। चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि श्रीलंका में लाल गेंद से खेलने का अनुभव खिलाड़ियों के लिए काफी अच्छा रहेगा। बेली ने कहा, श्रीलंका दौरा चुनौतीपूर्ण रहेगा क्योंकि यहां खिलाड़ियों को अलग-अलग हालातों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही कहा कहा, हम उन टीम के सदस्यों के लिए भी उत्साहित हैं, जो अपने टेस्ट करियर की शुरुआत में हैं और उपमहाद्वीप के हालातों में बेहतर प्रदर्शन कर अपने खेल को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे।

इस सीरीजी का पहला मैच गाले में 29 जनवरी से जबकि दूसरा 6 फरवरी से इसी मैदान में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है

स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, सैम कोन्स्टास, मैट कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, नाथन मैकस्वीनी, टॉड मर्फी, मिशेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

विराट आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष 25 में भी जगह नहीं बना पाये, 27वें स्थान पर खिसके

केपटाउन (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने खराब फार्म के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में शीर्ष 25 खिलाड़ियों में भी जगह नहीं बना पाये हैं और 27वें स्थान पर खिसक गये हैं। विराट कुछ समय पहले तक टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष चार खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में आने के दो साल के अंदर ही कोहली शीर्ष 10 बल्लेबाजी में पहुंच गए थे। 12 साल तक वह शीर्ष 25 में रहे पर अब उससे भी बाहर हो गये हैं जो उनके लिए करारा झटका है। 12 साल बाद उन्हें क्रिकेट प्रशंसका शीर्ष 25 से बाहर होते देख रहे हैं। अब वह 614 रेटिंग के साथ 27वें स्थान पर हैं। कोहली ने अगस्त 2018 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट रेटिंग 937 हासिल की, जो टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी भारतीय क्रिकेटर की सबसे अधिक रेटिंग है। उन्होंने अंतिम बार फरवरी 2020 में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपनो शीर्ष स्थान गंवा दिया था। कोहली ने इसके बाद सला 2023 में जोरदार वापसी करते हुए 32 अंतरराष्ट्रीय पारियों में 21.83 की औसत से 655 रन बनाए पर इसके बाद टेस्ट में वह अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में असफल होने से भी उनकी रैंकिंग गिरी हैं। ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में वह केवल 190 रन बना पाए थे। इस कारण वह आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के टॉप 25 से बाहर हो गए हैं। उन्होंने आखिरी बार 2011 में अपने टेस्ट डेब्यू के ठीक एक साल बाद 2012 में आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 25 में जगह पाई थी। वह सिडनी में पांचवें टेस्ट में सिर्फ 17 और 6 रन बनाए, जिससे उनकी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एक और गिरावट आई। सिडनी टेस्ट के बाद कोहली 3 स्थान नीचे खिसक गए और अब आईसीसी की ताजा रैंकिंग में उनकी रेटिंग 614 हो गई है। वहीं भारत के युवा बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल 847 रेटिंग अंक के साथ ही चौथे स्थान पर आये हैं जबकि 739 रेटिंग अंक के साथ ही ऋषभ पंत नौवें नंबर पर हैं।

मैं इस बात से निराश हूं कि यह सब कैसे समाप्त हुआ: गुप्टिल ने संन्यास के बाद दी पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद न्यूजीलैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल को लगता है कि उनके पास राष्ट्रीय टीम में योगदान देने के लिए और भी बहुत कुछ था और उन्होंने 'इस बात से थोड़ी निराशा व्यक्त की कि यह सब कैसे समाप्त हुआ।' 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 2022 के अंत में कहीं और खेलने के अवसरों की तलाश के लिए अपना अनुबंध वापस कर दिया। उन्होंने बुधवार को आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की।

गुप्टिल ने ब्लैक कैप्स के लिए 367 मैच (198 वनडे, 122 टी20आई, 47 टेस्ट) खेले, जिसमें तीनों प्रारूपों में 23 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए। उन्होंने अपने 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर (2009 से 2022) को न्यूजीलैंड के प्रमुख टी20आई रन-स्कोरर के रूप में 122 टी20आई मैचों में 3,531 रन बनाकर समाप्त किया और उनके 7,346 वनडे रनों ने उन्हें रॉस टेलर और स्टीफन फ्लेमिंग के बाद वनडे सूची में तीसरे स्थान पर रखा।

गुप्टिल के हवाले से कहा गया, 'मुझे लगता है कि यह वही है जो है और इसके इर्द-गिर्द जो निर्णय लिए गए हैं। जाहिर है कि मैं और अधिक खेलना पसंद करता, मुझे लगता है कि मेरे पास न्यूजीलैंड क्रिकेट और ब्लैक कैप्स को देने के लिए बहुत कुछ था। लेकिन यह वही है जो है। मैं इस बात से थोड़ा निराश हूं कि यह सब कैसे समाप्त हुआ, लेकिन मुझे आगे बढ़ना है।'

गुप्टिल 2009 में अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य पर छा गए जब वे ईडन पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू पर शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी बने। इसके अलावा वे ढ्ढष्टक्रिकेट विश्व कप 2015 में वनडे दोहरा शतक बनाने वाले पहले न्यूजीलैंड के खिलाड़ी थे, उन्होंने वेलिंगटन स्टेडियम में वेस्टइंडीज पर क्वार्टर फाइनल में जीत के लिए नाबाद 237 रन बनाए थे।

गुप्टिल ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक भी बनाए जो 2012 में ईस्ट लंदन के बफेलो पार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 69 गेंदों पर नाबाद 101 रन और छह साल बाद ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 54 गेंदों पर 105 रन थे। गुप्टिल ने न्यूजीलैंड के लिए 47 टेस्ट मैच खेले जिसमें उन्होंने 17 अर्धशतक और तीन शतक बनाए जिसमें 2010 में सेडन पार्क में बांग्लादेश के खिलाफ 189 रन, 2011 में बुलावायो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर जिम्बाब्वे के खिलाफ 109 रन और 2015 में डुनेडिन में श्रीलंका के खिलाफ 156 रन शामिल हैं।

उनका सर्वोच्च टेस्ट स्कोर बांग्लादेश के खिलाफ 189 रन है जो नंबर 5 पर बल्लेबाजी करते हुए आया था, लेकिन गुप्टिल ने पारी की शुरुआत करने की चुनौती को प्राथमिकता दी, जिसे उन्होंने अपनी सर्वश्रेष्ठ भूमिका के रूप में देखा। उन्होंने कहा, 'मेरे पास पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने का मौका था, लेकिन मैं फिर से शीर्ष पर जाना चाहता था। मुझे कोई पछतावा नहीं है, मैंने इसे अच्छे से आजमाया। मुझे ऐसा करने में बहुत मजा आया। मेरे लिए सबसे गर्व के क्षणों में से एक ब्लैक कैप हासिल करना था, और यह मेरे घर पर गर्व से है।'

मैदान में उनके कौशल को विश्व स्तरीय माना जाता था और उन्होंने लगातार ब्लैककैप के लिए मानक स्थापित किए, जिसके परिणामस्वरूप कई शानदार कैच, बचाव और रन आउट हुए। उन्होंने 2019 विश्व कप सेमीफाइनल में रनआउट करके भारत के दिग्गज एमएस धोनी के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत किया। गुप्टिल वर्तमान में सुपर स्मैश में ऑकलैंड एसेस के लिए नेतृत्व कर रहे हैं और टी20 फ्रैंचाइजी क्रिकेट में अपना खेल जारी रखेंगे।

अभिषेक बच्चन ने यूरोपियन टी20 लीग में किया निवेश

मुम्बई । अभिनेता अभिषेक बच्चन ने यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (इटीपीएल) में निवेश किया है और वह इस टीम के सह-मालिक बने हैं। इस लीग की शुरुआत इसी साल जुलाई में होगी और यह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्डों के संयुक्त सहयोग से आयोजित की जाएगी। अभिषेक ने सहमालिक बनने पर खुशी जताते हुए कहा, क्रिकेट केवल एक खेल नहीं है, यह सीमाओं से परे एकता और जुड़ाव का प्रतीक है। यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग क्रिकेट की बढ़ती वैश्विक अपील को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श मंच है। 2028 ओलंपिक में क्रिकेट के शामिल होने के साथ, इसकी लोकप्रियता आने वाले समय में और भी बढ़ने वाली है। मैं इस शानदार साझेदारी को लेकर बेहद उत्साहित हूं और इसके सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हूं। अभिषेक ने आगे आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्ड्स और आईसीसी को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनका अथक परिश्रम इस लीग को एक अभूतपूर्व सफलता बनाने में मदद करेगा।

बुमराह आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, करियर की सर्वश्रेष्ठ 908 रेटिंग हासिल की

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं। बुमराह ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 908 रेटिंग हासिल करते हुए अपना शीर्ष स्थान बनाये रखा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से पहले 907 अंक लेकर बुमराह सबसे अधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले भारतीय बने थे। वहीं अंतिम टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट हासिल करने के साथ ही बुमराह की रेटिंग में एक अंक का सुधार आया। वह पीठ में ऐंठन के कारण दूसरी पारी में नहीं खेल पाये। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ ही संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वह शीर्ष 10 में आने वाले बुमराह के बाद दूसरे भारतीय हैं। जडेजा को ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ संयुक्त रूप से नौवां स्थान मिला है। बोलैंड सिडनी में शानदार प्रदर्शन के बल पर 29 पायदान के सुधार के साथ ही शीर्ष 10 में पहुंच गए हैं। सिडनी में बोलैंड ने 10 विकेट लिए। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की भी रैंकिंग बेहतर हुई है, वह अंतिम टेस्ट में 5 विकेट की बदौलत दूसरे नंबर पर पहुंचने में सफल हुए जबकि दक्षिण अफ्रीका के कैगिसो रबाडा एक पायदान के लाभ से तीसरे स्थान पर पहुंचे जबकि चोटिल जोश हेजलवुड दो पायदान के नुकसान से चौथे स्थान पर फिसल गये हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बल्लेबाजी रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग के साथ ही नौवें नंबर पर पहुंच गये जबकि यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर रहे।

जडेजा का अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने की ओर : रिपोर्ट

-चैंपियंस ट्रॉफी में भी जगह मिलने की संभावना नहीं

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का क्रिकेट करियर समाप्त होने की ओर है। एक समय जहां जडेजा आपनी अक्रामक बल्लेबाजी, कसी हुई फिल्डिंग और बेहतरीन गेंदबाजी के कारण टीम की जीत में अहम भूमिका निभाते थे। वहीं अब ये बात नहीं रही और उनका प्रदर्शन भी नीचे आने लगा है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में वह अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से प्रभावित नहीं कर पाये। ऐसे में जडेजा को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह शायद ही मिले। एक रिपोर्ट के अनुसार मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन अब एकदिवसीय विश्व कप 2027 की तैयारियों में लगे हैं। ऐसे में उसी अनुसार टीम भी बनाएंगे। इसकी शुरुआत चैंपियंस ट्रॉफी से ही होने की संभावना है। सफेद और लाल गेंद दोनो ही प्रारुपों में ही जडेजा का प्रदर्शन जिस प्रकार नीचे जा रहा है उससे भी टीम प्रबंधन उनके विकल्प देखना चाहेगा। इसके अलावा उनकी उम्र भी 35 तक पहुंच गयी है। वहीं गंभीर हर प्रारुप में कोर टीम बनाना चाहते हैं जो लंबे समय तक खेल सके। अभी तक उन्होंने लंबे प्रारूपों के साथ बहुत अधिक बदलाव नहीं किया है पर एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक मजबूत टीम बनाने में वह लगे हैं। ऐसे में वह उनकी जगह किसी नये खिलाड़ी को अवसर देना चाहेंगे। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर जैसे नाम है। पिछले साल जुलाई में टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा करने के बाद जडेजा को श्रीलंका में एकदिवसीचय सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। ऐसे में अब टेस्ट क्रिकेट में भी टीम प्रबंधन उनसे आगे बढ़ कसता है।

दूसरी ओर अक्षर पटेल भी जडेजा के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्हें जडेजा के विकल्प के रूप में तैयार किया गया है। वाशिंगटन सुंदर का स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में उभरना भी एक बड़ी सकारात्मक बात है। इसके कुलदीप यादव की फिटनेस पर बारीकी

से नजर रखी जा रही है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उम्मीद है कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के लिए समय पर फिट हो जाएंगे।

प्रणय मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में हारे, चीन के लि शि फेंग ने दी मात

कुआलालंपुर । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारत के 32 साल के खिलाड़ी को एक घंटे 22 मिनट तक चले मैच में सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली। इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को राउंड 16 मैच में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को 44 मिनट में चीन की चेंग जिंग और झांग चि की सातवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 13-21, 20-22 से शिकस्त मिली।

शेफाली निश्चित तौर पर टीम की योजना में शामिल है: मंधाना

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान स्मृति मंधाना ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले साल खराब प्रदर्शन के कारण बाहर की गईं सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा निश्चित रूप से टीम की योजना में बनी हुई हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिए जाने के कारण मंधाना आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू हो रहे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगी इस श्रृंखला के लिए हरमनप्रीत के साथ तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को भी आराम दिया गया है।

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से पहचान बनाने वाली शेफाली को दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। मंधाना ने आयरलैंड के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, 'हरमनप्रीत को आराम दिया गया है। शेफाली पिछली दो या तीन एकदिवसीय श्रृंखलाओं में टीम का हिस्सा नहीं है। उनकी गैरमौजूदगी में प्रतिका (रावल) ने पिछली श्रृंखला में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। शेफाली ने इस दौरान घरेलू क्रिकेट में

काफी रन बनाये है और वह निश्चित रूप राष्ट्रीय टीम की योजना में शामिल है।'

मंधाना ने कहा, 'मैं खुश हूं कि उसने घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाये।' मंधाना ने अपने पास उपलब्ध संसाधनों के साथ टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, 'हमें एक टीम के रूप में हमारे पास जो नहीं है उसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। हम सकारात्मक मानसिकता रखना चाहते हैं कि हमारे पास वास्तव में एक संतुलित टीम है। जिन खिलाड़ियों को टीम में मौका मिला है वह वास्तव में अच्छा कर रही हैं।'

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था लेकिन टीम ने घरेलू सरजमी पर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और एकदिवसीय श्रृंखला में क्रमशः 2-1 और 3-0 से जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन ने टीम के हौसले बुलंद है। मंधाना ने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से निश्चित रूप से हमरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा। हमारे बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया था। उम्मीद है कि हम उस लय को जारी रखेंगे।'

भारतीय कप्तान ने कहा कि हरमनप्रीत और रेणुका की गैरमौजूदगी से युवा खिलाडियों के पास अपनी प्रतिभा को लोहा मनवाने की चुनौती होगी। मंधाना ने कहा, 'दोनों को विश्राम मिला है इसलिए यह युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका होगा। मुझे यकीन है कि जिस किसी को भी मौका मिलेगा, वे इसे दोनों हाथों से लपकने की कोशिश करेंगे।'

चैंपियंस ट्रॉफी में शुभमन की जगह यशस्वी को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली । आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चयनकर्ताओं बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शामिल कर सकते हैं। यशस्वी को इस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का अवसर मिल सकता है। यशस्वी इसलिए भी चयन समिति की पहली पसंद है क्योंकि शुभमन गिल का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। वहीं कप्तान रोहित शर्मा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की हार को भुलाकर आगे बढ़ना चाहेंगे और इसके लिए उन्हें एक अच्छे जोड़ीदारी की जरुरत होगी। टेस्ट में भले ही रोहित पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं पर एक एकदिवसीय में जमकर रन बना सकते हैं। वहीं यशस्वी ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान पारी की शुरुआत करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं एकदिवसीय विश्वकप में रोहित के जोड़ीदारर रहे शुभमन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह इस दौरान एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। दूसरी ओर यशस्वी ने उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाए थे। यशस्वी ने 5 मैच की 10 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक की सहायता से 391 रन बनाये थे। यशस्वी ने अब तक कोई एकदिवसीय नहीं खेला है, ऐसे में वह इस टूर्नामेंट से 50 ओवरों के प्रारुप में डेब्यू कर सकते हैं।

खो-खो विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष और महिला टीमों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में 13 जनवरी से शुरू होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन सत्र में प्रतीक वायकर भारतीय पुरुष टीम जबकि प्रियंका इंगले महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। भारतीय पुरुष टीम शुरुआती दिन (13 जनवरी) नेपाल से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी।

इस दौरान मुन्नी जून महिला टीम के लिए मुख्य कोच के रूप में काम करेंगी, जबकि अश्विनी कुमार पुरुष टीम के सलाहकार होंगे। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो-खो विश्व कप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा के साथ बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। मित्तल ने टीमों की जर्सी में एक विशेष बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पुरुष और महिला दोनों टीमें की जर्सी पर 'भारत' लिखा होगा। खेलों में भारतीय टीम की जर्सी पर आमतौर पर 'इंडिया' लिखा होता है।

मित्तल ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हमारी टीम को 'भारत की टीम' के नाम से जाना जाएगा। जर्सी पर 'भारत' प्रमुखता से अंकित होगा।' इस मौके पर महिला वर्ग की विजेता को दी जाने वाली ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया। खो-खो विश्व कप की सीओओ (मुख्य संचालन अधिकारी) गीता सुधन ने कहा, 'हरी ट्रॉफी उन महिलाओं को सम्मानित करेगी जो अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगी।' टूर्नामेंट से पहले जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक तैयारी शिविर का आयोजन हुआ था जिसमें पूरे भारत से 60 पुरुष और इतने ही महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय टीमों में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा की।

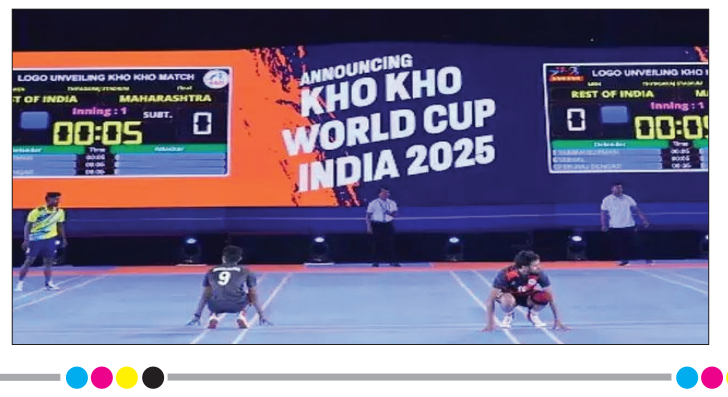

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

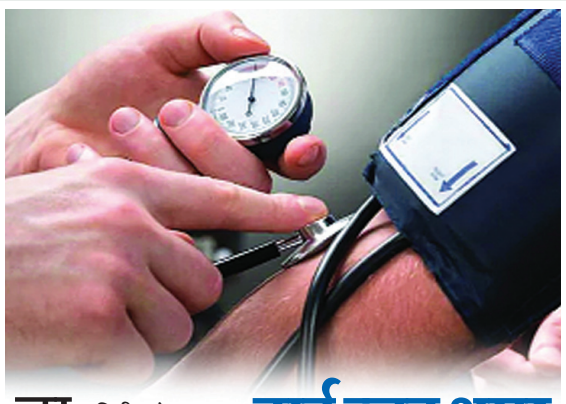

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 134करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

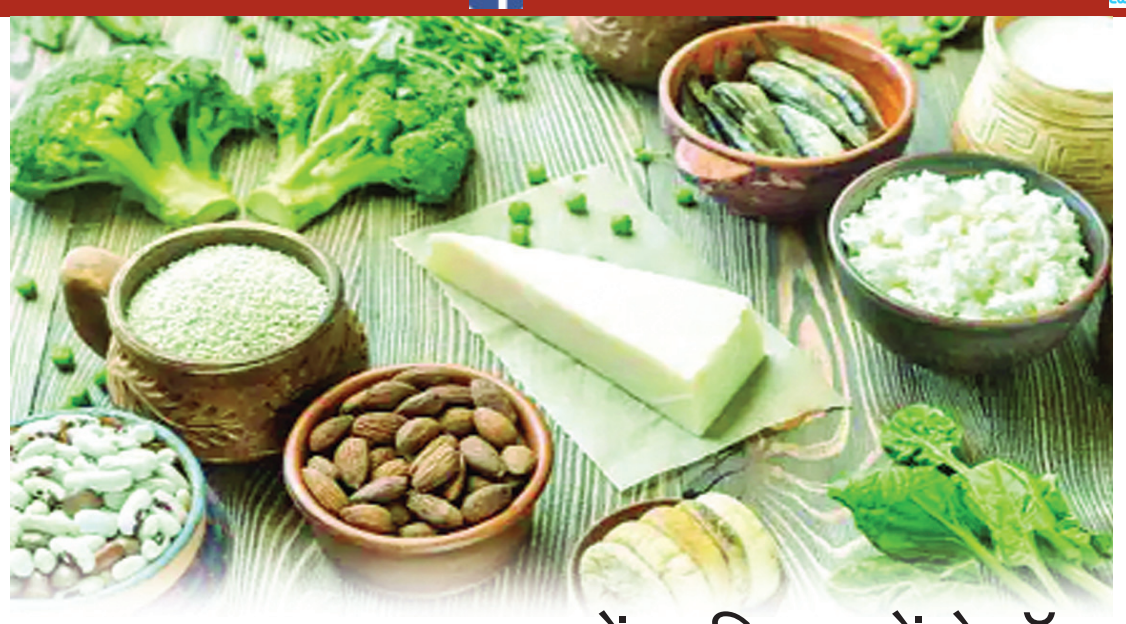

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है।
शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड़, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

ड़ायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 10 साल की सजा

अलवर। राजस्थान में अलवर के पॉस्को न्यायालय संख्या एक ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 में यह मामला दर्ज हुआ था। दो साल के भीतर न्यायालय ने मामले में आरोपी को सजा सुनाई है। सरकारी अधिवक्ता विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि पॉस्को न्यायालय संख्या एक के न्यायाधीश जोगेंद्र अग्रवाल ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पटौदी निवासी यतीन नाम के युवक को 10 साल की सजा सुनाई है। दिसंबर 2022 को बर्डोद निवासी एक पीड़िता ने मामला दर्ज कराया गया कि सोशल मीडिया पर उसकी मुलाकात गुरुग्राम के पटौदी के रहने वाले यतीन नाम के लड़के से हुई थी। इसके बाद 6 माह तक उन लोगों के बीच चैटिंग की मदद से बातचीत हुई। दोनों एक दूसरे से प्यार भरी बातें करने लगे। इतना ही नहीं दोनों ने साथ जीने मरने की कसमें खाई। एक दिन यतीन उससे मिलने के लिए बहरोड़ आया। यहां खाना खिलाने के बहाने से अपने साथ एक होटल में ले गया और वहां कोल्ड ड्रिंक में नशा मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता जब अपने घर पहुंची, तब पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजनों के साथ पीड़िता थाने पहुंची। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाकर उसके बयान दर्ज किए। उसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में चार्जशीट पेश की।

रेलवे स्टेशन पर महिला के बाल काटकर भागने वाला पकड़ाया, वजह ऐसी कि सभी हैरान

मुंबई । सपनों की दुनिया कही जाने वाली मुंबई में सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दादर रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री के बाल काटने के आरोप में युवक को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दिनेश गायकवाड़ (35) निजी कंपनी में काम करता है। घटना के बाद उसे मुंबई सेंट्रल स्टेशन से पकड़ा। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने महिला को इसलिए निशाना बनाया क्योंकि उसे उसके लंबे बाल पसंद नहीं थे। महिला दादर स्टेशन की पश्चिमी लाइन पर जा रही थी तभी उसने महिला के साथ यह वारदात की। इसके बाद महिला ने युवक का पीछा करने की कोशिश की लेकिन वह यात्रियों की भीड़ का फायदा उठाकर भाग गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इससे पहले भी दादर में एक अंजान शख्स ने लड़की के बाल काटे थे। बता दें कि कुछ समय पहले इस तरह से चोटी कटवा चर्चित हुआ था। जम्मू में भी चोटी कटवा का आतंक रह था। कुछ समय के लिए इसके चलते डर का माहौल बन गया था. दरअसल वहां कोई शख्स चोरी चुपके महिलाओं की चोटी काट रहा था जिससे महिलाएं अपने बालों को लेकर परेशान थी। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ था जिसमें एक लड़का महिलाओं का बाल काटता देखा गया।

श्रीलंकाई नौसेना ने फिर 10 मछुआरों को किया गिरफ्तार, नाव भी की जब्त

-गिरफ्तारियों को लेकर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन, रिहा करने की मांग

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार तड़के तमिलनाडु के कराईकल से 10 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर नाव भी जब्त कर ली है, और उन्हें पूछताछ और जांच के लिए कांकेसंथुराई शिविर ले गई है। यह घटना तमिलनाडु के मछुआरा समुदाय के लिए चिंता बन गई है, क्योंकि श्रीलंकाई नौसेना ने 16 जून 2024 से अब तक 425 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर 58 मशीनीकृत नौकाओं को जब्त कर चुकी है। इन गिरफ्तारियों को लेकर तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। मछुआरे और उनके परिवार सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका सरकार के साथ चर्चा की थी और मछुआरों की गिरफ्तारियों और नावों की जब्ती रोकने की अपील की थी। इसके बावजूद गिरफ्तारियां की जा रही हैं, जिससे मछुआरा समुदाय भय में जी रहा है। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने केंद्रीय विदेश मंत्री को पत्र लिखकर श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार भारतीय मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई की मांग की है। उन्होंने इस स्थिति को मछुआरों के लिए जीवन के लिए खतरनाक बताया और कहा कि इन घटनाओं से मछुआरा समुदाय में असुरक्षा का माहौल पनप रहा है। उन्होंने केंद्रीय विदेश मंत्री से ठोस कूटनीतिक प्रयासों की अपील की ताकि सभी मछुआरों और उनकी नौकाओं रिहाई हो सके।

आयुष्मान कार्ड बनने के बाद भी नहीं मिला इलाज, कैंसर पीड़ित ने दे दी जान

बेंगलुरू। कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही लोगों की नींद हराम हो जाती है और जो मरीजा होता है उसकी तकलीफ बस वह ही समझ सकता है। 72 साल के राजेश (बदला हुआ नाम), जो राज्य सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारी थे, उन्हें गैस्ट्रिक कैंसर का पता चला, लेकिन बीमारी से लड़ने के साथ इलाज के खर्च का बोझ और सरकारी योजनाओं की विफलता ने उन्हें निराश कर दिया जिससे परेशान होकर उन्होंने 25 दिसंबर को मौत को गले लगा लिया। राजेश ने आयुष्मान योजना के तहत वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य आश्वासन योजना के तहत पंजीकरण कराया था। उन्हें सालाना 5 लाख रुपये का कवर मिलना था, जो उनके इलाज का खर्च उठाने के लिए पर्याप्त था लेकिन जब वह इलाज के लिए अस्पताल पहुंचे, तो उन्हें यह जानकर गहरा धक्का लगा कि यह योजना अभी तक कर्नाटक राज्य में लागू नहीं की गई है। अस्पताल प्रशासन ने उनके इलाज पर 50 फीसदी की छूट देने की पेशकश की थी, लेकिन योजना का लाभ न मिलने से राजेश मानसिक रूप से टूट गए। परिवार के मुताबिक राजेश को चिंता थी कि इलाज का पूरा खर्च उनके परिवार पर भारी बोझ डालेगा। इस चिंता ने उन्हें आत्महत्या जैसा कदम उठाने पर मजबूर कर दिया। राजेश के परिवार का यह अनुभव अकेला नहीं है। ललिताम्बा बी वी, जो बेंगलुरु नवनिर्माण पार्टी की अभियान प्रमुख हैं, उन्होंने भी अपने 87 साल के पिता के इलाज में इस योजना का उपयोग करने में आने वाली समस्याओं का जिक्र किया है।

इंडिया गठबंधन की दम पर भाजपा से पंजा लड़ाने वालों ने कांग्रेस को दे दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा से भिड़ने के लिए तमाम विपक्षी दलों ने एक इंडिया महागठबंधन का गठन किया था। इसमें शामिल दलों का दावा था कि एनडीए से मुकाबले के लिए हमें एकजुट होना पड़ेगा। तभी हम लोकतंत्र और संविधान की रक्षा कर पाएंगे। ये तमाम वादे और दावे उस वक्त धरे रहे गए जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नेतृत्व पर सवाल उठा दिए। फिर क्या था एक के बाद एक कई दलों ने हाथ झटका और इंडिया गठबंधन को ठेंगा दिखा दिया।

सबसे पहले बंगाल की सीएम और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी ने राहुल गांधी के नेतृत्व को चुनौती दी। फिर एक-एक कर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एनसीपी नेता शरद पवार और उद्धव ठाकरे ने ममता बनर्जी के नेतृत्व करने के प्रस्ताव पर सहमति जता दी। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को ममता बनर्जी की तरह अपना दुश्मन ही मान लिया है। अब तो लालू यादव के पुत्र और बिहार में महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव ने इंडिया ब्लॉक को सिर्फ लोकसभा चुनाव तक के लिए की गई व्यवस्था बता कर इसके खात्मे की ही मुनादी कर दी है। इंडिया ब्लॉक में बिखराव का बीजारोपण सबसे पहले ममता बनर्जी ने किया था। देश भर में विपक्षी पार्टियों ने इंडिया ब्लॉक के बैनर तले उम्मीदवार उतारे, लेकिन बंगाल में ममता बनर्जी ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस और वाम दलों को भाजपा की तरह ही दुश्मन बता कर दूरी बना ली। टीएमसी, कांग्रेस और वाम दलों ने अलग-अलग उम्मीदवार उतारे। ममता ने यह साबित भी कर दिया कि बंगाल में भाजपा से टक्कर लेने के लिए वे अकेले ही काफी हैं। टीएमसी संसदीय चुनाव में 22 सीटें जीत कर लोकसभा में चौथी बड़ी पार्टी बन गई। इंडिया ब्लाक में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बाद टीएमसी तीसरी बड़ी पार्टी है।

आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव ने 18 जनवरी को पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक बुलाई है। उसी दिन राहुल गांधी भी पटना आ रहे हैं। वे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। शायद तेजस्वी को कांग्रेस के इरादे की जानकारी मिल गई है कि सीटों पर वह अड़ सकती है। कांग्रेस को अपनी छवि भी दुरुस्त करनी है कि वह आरजेडी की पिछलग्गू नहीं है। यह सच भी है कि आरजेडी के सहारे कांग्रेस बिहार में 1990 के बाद से ही रही है। राहुल गांधी सीटों को लेकर मुंह न फाड़ें, इसलिए तेजस्वी ने अपने बयान से उनकी बोलती बंद करने की कोशिश की है।

देश में 2019 से ही भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने का प्रयास होता रहा है। पहली बार 2019 में आंध्र प्रदेश के सीएम और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता चंद्रबाबू नायडू ने भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की पहल की थी। तब वे एनडीए से बाहर थे। दूसरी बार 2021 में बंगाल फतह करने के बाद ममता बनर्जी ने प्रयास किया। निराशा हाथ लगने पर दोनों ने मौन धारण कर लिया था। तीसरा प्रयास महागठबंधन में रहते बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने किया। उन्हें सफलता जरूर मिली, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले ही उन्होंने अपनी राह अलग कर ली। उन्होंने फिर से भाजपा के साथ जाना पसंद किया। बची कसर जनता ने पूरी कर दी, जब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' बहुमत से दूर रह गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को भाव नहीं दिया। हरियाणा में तालमेल को लेकर कांग्रेस के रुख से आहत आप ने बिना किसी से तालमेल किए सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। बिहार में भी आरजेडी पिछली बार की तरह कांग्रेस को तवज्जो देने के मूड में नहीं है। 2020 में आरजेडी से 70 सीटें कांग्रेस ने ले ली थीं, लेकिन जीतीं सिर्फ 19 सीटें। तेजस्वी यादव और लालू यादव को अब तक इस बात का मलाल है कि कांग्रेस को उतनी सीटें नहीं मिली होतीं तो तेजस्वी ही शायद सीएम होते।

प्रशांत किशोर आईसीयू में भर्ती, मुख्य सचिव को पार्टी ने सौंपा ज्ञापन

पटना। जन सुराज पार्टी ने दावा किया कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर का स्वास्थ्य खतरनाक रूप से बिगड़ा है। प्रशांत किशोर फिलहाल एक अस्पताल के आईसीयू में आमरण अनशन पर हैं। पीके ने पेपर लीक के आरोपों को लेकर बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे सिविल सेवा अभ्यर्थियों के साथ एकजुटता दिखाकर 2 जनवरी को अनशन शुरू किया था। उन्हें डिहाइड्रेशन की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती किया गया था। मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा को ज्ञापन सौंपने के बाद जेएसपी अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि डॉक्टरों का मानना है कि अगर किशोर ने सामान्य भोजन लेना शुरू नहीं किया, तब परिणाम गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे ज्ञापन में उन पांच मांगों को सूचीबद्ध किया गया जिनके लिए किशोर ने आमरण अनशन शुरू किया था। जेएसपी द्वारा की गई मांगों में 70वीं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार के आरोपों की उच्च स्तरीय जांच और पिछले 10 वर्षों में हुई प्रश्न पत्र लीक जैसी अनियमितताओं पर श्वेत पत्र जारी करना शामिल है। पार्टी ने 18-35 आयु वर्ग के बेरोजगार लोगों के लिए सहायता और सरकारी नौकरियों में राज्य के युवाओं का दो-तिहाई प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने वाली एक अधिवास नीति की भी मांग की।

भारत और यूके के बीच संसदीय आदान-प्रदान बढ़ाने का आह्वान स्पीकर ओम बिरला ने किया

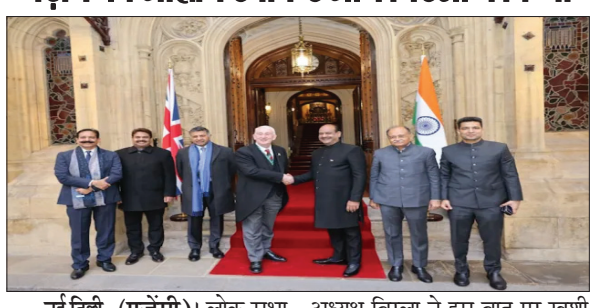

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत और यूके के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने का आह्वान करते हुए दोनों देशों के बीच संसदीय ज्ञान और अनुभवों के अधिकाधिक आदान-प्रदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के युवा और महिला सांसदों को नियमित रूप से परस्पर संवाद करना चाहिए। बिरला ने लंदन में यूके की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर लिंडसे हॉयल के साथ अपनी बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

बिरला ने कहा कि दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संबंध ही दोनों देशों के घनिष्ठ द्विपक्षीय संबंधों का आधार हैं। लोगों के बीच आपसी सौहार्द से दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत और बहुआयामी हुए हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत और यूके के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं, अध्यक्ष बिरला ने इस बात पर खुशी जताई कि इससे दोनों देशों के लोगों को लाभ हुआ है।

बिरला ने इस बात पर जोर दिया है कि भारत के निर्वाचन आयोग का स्वतंत्र, निष्पक्ष, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने का उत्कृष्ट रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने कहा कि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है जिसमें लगभग एक अरब मतदाता हैं। इस बात का उल्लेख करते हुए कि भारत में संविधान को अंगीकार किए जाने की 75वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है, बिरला ने कहा कि भारत का संविधान देश में परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक बदलाव का सूत्रधार रहा है। संसदीय लोकतंत्र के रूप में भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए बिरला ने स्पष्ट रूप से कहा कि विविधताओं के बावजूद, भारत संसदीय संवाद और चर्चा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में सफल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का बड़ा आरोप: दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मुझे और मेरे दिवंगत पिता को बदनाम करने में लगाया

ग्वालियर (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया पर अक्सर निशाना साधते थे और अब वे उनके साथ भी ऐसा ही कर रहे हैं।

चार दिवसीय दौरे पर ग्वालियर पहुंचे सिंधिया ने कहा कि उन्होंने दिग्विजय के प्रति हमेशा सम्मान दिखाया है। सिंधिया कभी कांग्रेस में दिग्विजय के सहयोगी थे। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सिंह ने मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में एक घोटाले का खुलासा होने के बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया पर सवाल उठाए थे।

पिछले माह की शुरुआत में परिवहन विभाग के एक पूर्व कांस्टेबल के पास से

बेहिसाब संपत्ति बरामद हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचनात्मक टिप्पणियों के बारे में सिंधिया ने कहा, क्या यह कोई नई बात है? उन्होंने कहा, ''दिग्विजय ने अपना पूरा जीवन मेरे पूज्य पिता और मुझ पर निशाना साधने में बिताया है। मैंने कभी उन पर निशाना नहीं साधा। मैं जब भी उनसे मिलता हूं, आज भी उनका अभिवादन करता हूं।'' सिंधिया ने कहा, कोई भी अपनी विचारधारा के अनुसार अपनी सीमाएं तय कर सकता है। मेरी विचारधारा लोगों की सेवा करना है और यही मेरे जीवन का लक्ष्य है। पूर्व कांस्टेबल सौरभ शर्मा पर लोकायुक्त के छापे के बाद पूर्व सीएम सिंह ने पिछले महीने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था, इसमें मध्यप्रदेश परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार की जांच उच्च न्यायालय के किसी मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की गई थी। उन्होंने पत्र में आरोप लगाया था कि कांग्रेस के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ पर सिंधिया के करीबी माने जाने वाले एक नेता को परिवहन मंत्री बनाने का दबाव था। दिल्ली में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों के बारे में सिंधिया ने कहा कि भाजपा पिछले साल हुए हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों की तरह विजयी होगी।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में उतार-चढ़ाव होने के बावजूद सेना के बीच रिश्ते मजबूत

- अब बांग्लादेश की सेनाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बना

नई दिल्ली । बांग्लादेश और भारत के रक्षा क्षेत्र में घनिष्ट सहयोग दर्ज किया गया है, जो दोनों देशों के सेना अधिकारियों के बीच कई प्रमुख सामरिक और व्यापारिक एक्सचेंज प्रोग्राम के माध्यम से विकसित हो रहे हैं। यह सौभाग्यपूर्ण है कि अब बांग्लादेश की सेनाओं के अधिकारियों के लिए भारत एक प्रमुख ट्रेनिंग भूमि बन गया है। साथ ही भारतीय सेना के अधिकारी भी बांग्लादेश में विभिन्न सेक्टरों में दोस्ताना तालमेल के माध्यम से भाग ले रहे हैं। इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण अद्यतन यह है कि भारतीय सेना के तीन अधिकारी हाल ही में बांग्लादेश कोर्स करने के लिए रवाना हुए हैं, जबकि चार अधिकारी बांग्लादेश के मिलिट्री इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर ट्रेनिंग देने के लिए वहां पहुंचे हैं। यह सहमति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो दोनों देशों के सेनाओं के बीच समर्पित साथ को और भी मजबूत बनाए रखेगा। इस ट्रेनिंग का खर्चा अब भारत ही वहन करेगा जिससे इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक सकारात्मक कदम उठाया गया है। इस साथीय समझौते के माध्यम से यह सुनिश्चित होगा कि भारत-बांग्लादेश के रक्षा क्षेत्र में सहयोग और समर्पण का नेटवर्क और भी सुदृढ़ हो और भारतीय और बांग्लादेशी सेनाओं के बीच मित्रता और समर्थन की बढ़ती धारा को बढ़ावा देगा। इस अनुभव साझा करने और एक-दूसरे से सीखने के माध्यम से, दोनों देशों के सुरक्षा को और भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल की बढ़ी मुश्किलें, पुलिस ने यूएपीए लगाया

-पंजाब के यूट्यूबर गुरप्रीत सिंह की हत्या से जुड़ा है मामला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस ने एक हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में जेल से लोकसभा चुनाव जीतने वाले खालिस्तानी अलगाववादी अमृतपाल सिंह के खिलाफ आतंकवाद के आरोप लगाए हैं। खडूर साहिब से सांसद और खालिस्तान समर्थक संगठन वारिस पंजाब दे का नेता अमृतपाल सिंह दिवंगत अभिनेता दीप सिद्धू के करीबी सहयोगी गुरप्रीत सिंह की हत्या का आरोपी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने अक्टूबर 2024 की हत्या में अमृतपाल की भूमिका के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन मामले में यूएपीए लागू करने की पुष्टि की है। यूट्यूबर गुरप्रीत सिंह, जो वारिस पंजाब दे के गठन में भी शामिल थे, उनकी 9 अक्टूबर, 2024 को दोपहिया वाहन पर गुरुद्वारे से घर लौटते समय हरिनो गांव में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

गुरप्रीत सिंह की हत्या में एक दर्जन लोगों पर आरोप लगे थे और पुलिस ने अब तक कई गिरफ्तारियां की हैं, जिनमें दो शूटर, तीन व्यक्ति जिन्होंने टोह लेने में मदद की और एक साथी जिसने अपराध को आसानी से अंजाम देने में मदद की। गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध न्यायिक हिरासत में हैं। एक गैंगस्टर अर्श दल्ला को छोड़कर जिसके बारे में कहा जाता है कि वह विदेश में रह रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक पंजाब पुलिस द्वारा गठित एसआईटी ने जांच के दौरान पर्याप्त सबूत जुटाने के बाद अमृतपाल सिंह और अर्श दल्ला को नामित किया है। पुलिस ने यह भी संकेत दिए हैं कि जांच के दौरान दर्ज किए गए बयानों के आधार पर सबूत गुरप्रीत सिंह की हत्या की साजिश रचने में अमृतपाल सिंह की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं।

फरीदकोट की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की और कहा कि अब मामले में यूएपीए लागू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि यह मामला पिछले साल अक्टूबर का है। शूटरों समेत सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हैंडलर अर्श दल्ला को छोड़कर जो विदेश में है। सांसद अमृतपाल सिंह जो वर्तमान में एनएसए के तहत पटियाला की नाभा जेल में बंद हैं उसको बढ़ती कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अमृतपाल ने 5 जुलाई, 2025 को लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली।

संकट में फडणवीस सरकार, दिल्ली पहुंचे अजित पवार ने शाह के सामने रखी अपनी बात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से ही सियासी विवाद थमा नहीं है। ऐसे ही आपसी अनबन के चलते राज्य के उपमुख्यमंत्री अजित पवार गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे हैं। यह दौरा अहम माना जा रहा है क्योंकि धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग जोर पकड़ रही है। बीड जिले में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या मामले ने तूल पकड़ लिया है और इससे महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल आया हुआ है।

महाराष्ट्र पुलिस ने हत्या मामले से जुड़े जबरन वसूली मामले में वाल्मिक कराड को गिरफ्तार किया है। कराड मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी हैं। खुद मुंडे ने भी इस बात को स्वीकार किया है। बीजेपी विधायक सुरेश धस लगातार मुंडे का जिक्र कर रहे हैं। ऐसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की चुप्पी चर्चा का विषय है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजित पवार चुप क्यों हैं? जहां ये सवाल राजनीतिक गलियारे में हर कोई पूछ रहा है वहीं एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

मंत्री धनजंय मुंडे के इस्तीफे के लिए सभी पार्टी नेताओं का दबाव बढ़ रहा है ताकि संतोष दशमुख की हत्या

की जांच निष्पक्ष रूप से हो सके। इतना ही नहीं, कुछ दिन पहले सभी पार्टी के नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने धनंजय मुंडे के इस्तीफे की भी मांग की। इसके बाद धनंजय मुंडे ने आनन-फानन में अजित पवार से मुलाकात की। इस्तीफे का दबाव बढ़ने के बाद धनंजय मुंडे ने मंत्रालय के हॉल में अजित पवार से मुलाकात की थी। इसके बाद चर्चा है कि अजित पवार अमित शाह से मिलने के लिए दिल्ली रवाना हो गए हैं। अजित पवार की अमित शाह से करीब 15 मिनट तक चर्चा हुई। प्रारंभिक जानकारी है कि यह बैठक दिल्ली विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में हुई है। दूसरी वजह ये है कि सुनेत्रा पवार को मिले सरकारी बंगले का निरीक्षण करने वह दिल्ली पहुंचे थे। धनंजय मुंडे के इस्तीफे पर भी चर्चा होने की संभावना है। अजित पवार के साथ प्रफुल्ल पटेल भी मौजूद थे।

टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव से हिमालय क्षेत्र में होती भूकंपीय गतिविधि

*** नेपाल और तिब्बत में आए भूकंप ने बड़े पैमाने पर मचाई तबाही**

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिब्बत में मंगलवार को 7.1 तीव्रता के भूकंप के साथ नौ बार धरती हिली। इस भूकंप में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। एक घंटे में आए इन नौ भूकंपों ने तिब्बत में बड़े पैमाने पर विनाश किया और नेपाल, भारत, भूटान और चीन के कुछ हिस्सों में लोगों को दहशत में डाल दिया। भू-वैज्ञानिकों के मुताबिक सबसे शक्तिशाली भूकंप का केंद्र नेपाल-तिब्बत सीमा के पास था।

एक रिपोर्ट में कहा कि भूकंप के केंद्र के पास स्थित डिंगरी काउंटी में कई इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। मीडिया के मुताबिक पिछले पाच सालों में तिब्बत के दूसरे सबसे बड़े शहर शिगात्से के पास 3.0 या उससे अधिक तीव्रता वाले 29 भूकंप आए। भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव से बने हिमालय क्षेत्र में ऐसी भूकंपीय गतिविधि होती रहती हैं।

नेपाल दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक है, जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट प्रति वर्ष लगभग 5 सेमी की दर से उत्तर की ओर यूरेशियन प्लेट को धकेलती है। यह हलचल न केवल हिमालय के पहाड़ों को ऊपर उठाती है, बल्कि पृथ्वी की सतह के नीचे तनाव भी पैदा करती है। जब तनाव चट्टानों की ताकत से ज्यादा होता है, तो यह भूकंप का रूप ले लेता है। यही कारण है कि नेपाल और उसके आस-पास के हिमालयी क्षेत्र में अक्सर भूकंपीय गतिविधि होती रहती है। नेपाल की जमीन की ऊपरी परत अस्थिर चट्टानों से बनी है, जो भूकंप के प्रभावों को बढ़ाती है, जिससे यह और भी कमज़ोर हो जाती है।

मंगलवार को शुरुआती 7.1 तीव्रता का भूकंप सुबह 6:35 बजे जिज़ांग में आया। इसके बाद 4.7 और 4.9 तीव्रता के दो झटके आए। भूकंपों का प्रभाव तिब्बत से कहीं आगे तक फैला। दिल्ली-एनसीआर, पटना और असम तथा पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेपाल में भूकंप ने काठमांडू में दहशत फैला दी। जहां लोग घरों के गिरने के डर से बाहर निकल आए। लगातार भूकंप आने के बावजूद, हिमालयी क्षेत्र अक्सर आपदा की तैयारियों से जूझता रहता है। मुख्य चुनौतियों में खराब तरीके से लागू किए गए बिल्डिंग कोड, पूर्व चेतावनी प्रणाली की कमी और भूकंप सुरक्षा के बारे में अपर्याप्त सार्वजनिक जागरूकता शामिल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीय छात्रा को कार से टक्कर मारने वाला पुलिस अफसर केविन बर्खास्त, जाह्नवी की हुई थी मौत

सिएटल/न्यूयार्क, एजेंसी। सिएटल के एक पुलिस अधिकारी को उसके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। इस अधिकारी ने जनवरी, 2023 में कार से टक्कर मारकर भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की जान ले ली थी। सिएटल पुलिस की अंतरिम प्रमुख सू राहर ने कहा कि उन्होंने केविन डेव को सिएटल पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, डेव की खतरनाक ड्राइविंग के दुखद नतीजे को देखते हुए उसे नौकरी से हटाया गया है। पुलिस अधिकारी केविन डेव 23 जनवरी, 2023 को सिएटल में एक गश्ती कार चला रहा था और उसने सड़क पार कर रही आंध्र प्रदेश की जाह्नवी कंडुला (23) को टक्कर मार दी थी। उस समय, डेव की कार की रफ्तार 119 किमी/घंटा से अधिक थी। कार से टक्कर लगने के कारण कंडुला 100 फुट दूर जा गिरी और घटनास्थल पर ही मारी गई। सू राहर ने कर्मचारियों को भेजे गए ईमेल में कहा कि सिएटल पुलिस के जवाबदेही कार्यालय ने पाया कि डेव ने विभाग की चार नीतियों का उल्लंघन किया था। सिएटल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, शुरू में डेव की खतरनाक ड्राइविंग के दुखद परिणामों को स्वीकार नहीं किया गया, उसके कारण मानव जीवन की हानि हुई और सिएटल पुलिस की बदनामी हुई। घटना के वक्त पुलिस वाहन चला रहे केविन डेव से पहले एक और पुलिस अधिकारी डैनियल ऑर्डरर को भी नौकरी से निकाला जा चुका है। वह उसी वाहन में था जिसे डेव चला रहा था। कंडुला के वाहन से टकराने के बाद ऑर्डरर ने असंवेदनशील टिप्पणियां की और घटना पर हंसने के चलते नौकरी से निकाला गया। सिएटल में भारत का महावाणिज्य दूतावास इस मामले में न्याय सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत रहा था।

पाकिस्तान को अपने ही नौकरशाहों से खतरा, 22 हजार से अधिक अफसरों के पास दोहरी नागरिकता

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम में नेशनल असेंबली (निचला सदन) की एक समिति को सूचित किया गया कि देश के 22,000 से अधिक नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। आंतरिक मामलों से संबंधित नेशनल असेंबली की स्थायी समिति की राजा खुर्रम नवाज की अध्यक्षता में हुई बैठक में सदस्यों ने इस चलन पर चिंता जताई। एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, सदस्यों ने खासकर नौकरशाहों, न्यायाधीशों और सांसदों के लिए इस चलन को प्रतिबंधित करने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। बैठक में प्रस्तावित कानून पर विचार-विमर्श किया गया, जिसके तहत उन देशों के नागरिकों को पाकिस्तानी पासपोर्ट दिया जाएगा, जिनके साथ पाकिस्तान के दोहरी नागरिकता समझौते हैं। बैठक के दौरान, यह पता चला कि करीब 22,000 नौकरशाहों के पास दोहरी नागरिकता है। समिति के सदस्य अब्दुल कादिर पटेल ने आश्चर्य जताया कि नेशनल असेंबली के सदस्यों और न्यायाधीशों के लिए दोहरी नागरिकता प्रतिबंधित है, जबकि नौकरशाहों के लिए ऐसी रोक नहीं है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि विधेयक में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रावधान शामिल किया जाना चाहिए कि दोहरी नागरिकता वाले व्यक्तियों को नौकरशाह के तौर पर नियुक्त न किया जाए। पटेल ने इस तर्क को भी चुनौती दी कि नेताओं को राज्य की गोपनीयता की सुरक्षा की आवश्यकता के कारण दोहरी नागरिकता नहीं दी जाती है। पीपीपी पार्टी के आगा रफीउल्लाह ने दोहरी नागरिकता रखने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में विस्तृत आंकड़े मांगे, जिसमें यह भी शामिल है कि कितने लोगों ने अपनी विदेशी नागरिकता त्याग दी है और क्या आधिकारिक पंजीकरण निकाय एनएडीआरए के पास यह डाटा है कि ये व्यक्ति किन देशों से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार समिति के सदस्य ने शीर्ष भ्रष्टाचार-रोधी निकाय एनएबी के अध्यक्ष का उदाहरण देते हुए दोहरी राष्ट्रीयता नियमों में ढील पर भी चिंता जताई।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया इलाज के लिए लंदन रवाना

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया मंगलवार देर रात एयर एंबुलेंस से इलाज के लिए लंदन रवाना हुईं। उनके सलाहकार जहीरुद्दीन स्वपन ने बताया कि जिया बीती देर रात हजरत शाहजलाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एयर एंबुलेंस से लंदन के लिए रवाना हुई हैं। पूर्व पीएम के सलाहकार ने एक समाचार एजेंसी को बताया कि कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी ने उनके लिए विशेष एयर एंबुलेंस भेजी थी। खालिदा जिया के डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें लीवर सिरोसिस, दिल की बीमारी और किडनी से संबंधित समस्या है। वह बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी हैं बता दें कि खालिदा जिया की लंदन की यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब ढाका में काफी तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद से नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश की कमान संभाल रही है।

9/11 हमला: अमेरिकी न्याय विभाग की अदालत से गुहार, कहा- हमले के मास्टरमाइंड के साथ किए गए समझौते को रोका जाए

वॉशिंगटन, एजेंसी। बाइडन प्रशासन ने अमेरिका की अपील अदालत से 09/11 हमले के मास्टरमाइंड और अन्य आरोपियों के साथ किए गए समझौते को रोकने की मांग की है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि अगर समझौते को बरकरार रखा गया तो अमेरिका में हुए अब तक के सबसे घातक हमले का मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद मौत की सजा से बच जाएगा। साथ ही इससे सरकार को नुकसान होगा।

अमेरिकी न्याय विभाग ने कोलंबिया की संघीय अपील अदालत में दायर याचिका में कहा कि 9/11 हमले के मास्टरमाइंड और अन्य दो आरोपियों के खिलाफ सरकार को सार्वजनिक तौर पर सुनवाई करने का मौका दिया जाना चाहिए। हमें तीन लोगों के खिलाफ मृत्युदंड की मांग करने का अवसर दिया जाए। तीनों पर सामूहिक हत्या का आरोप है। उनके कृत्य से हजारों लोगों की मौत हुई और देश तथा दुनिया स्तब्ध रह गई।

मंगलवार को जब न्याय विभाग ने अपील दायर की तो हमले में मारे गए तीन हजार लोगों के परिवार के सदस्य क्यूबा के ग्वांतानामो बे में अमेरिकी नौसैनिक अड्डे पर खालिद शेख मोहम्मद के खिलाफ याचिका पर सुनवाई के लिए पहुंचे थे। न्याय विभाग ने कहा कि इस मामले में सरकार के अनुरोध के आधार पर गुण-दोष पर विचार करने के लिए न्यायालय को कुछ समय देने से प्रतिवादियों को कोई नुकसान नहीं होगा। न्याय विभाग ने सैन्य आयोग के न्यायाधीश के उस फैसले की आलोचना की, जिसमें रक्षा सचिव के अधिकारों को लेकर टिप्पणी की गई थी।

यह है मामला : 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में हुए आतंकी हमले में 3000 के करीब लोगों की मौत हुई थी और इस आतंकी हमले ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। अपहरणकर्ताओं ने पहले दो विमानों को न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावरों से टकराया और तीसरे विमान को वर्जीनिया के अर्लिंग्टन में पेंटागन से टकराया। चौथे विमान को वॉशिंगटन डीसी में एक संघीय सरकारी इमारत को टक्कर मारनी थी, लेकिन वह एक खेत में गिर गया था। इस हमले के आरोपी खालिद शेख मोहम्मद और उसके दो साथी वालिद बिन अताश और मुस्तफा अल-हौसावी को मौत की सजा सुनाई गई है। 11 सितंबर के आतंकी हमले के पांच साजिशकर्ता ग्वांतेनामो बे जेल में बंद हैं। कुछ महीने पहले अमेरिकी अभियोजकों ने 09/11 के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद के साथ एक समझौता किया था। इस समझौते के तहत अमेरिका मास्टरमाइंड खालिद शेख द्वारा आरोप स्वीकार करने के बदले मौत की सजा खत्म करने को तैयार है। इस समझौते का हमले के पीड़ितों ने विरोध किया तो रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन ने समझौते को रद्द कर दिया था। इस पर आरोपियों के वकीलों का कहना है कि याचिका समझौते को रक्षा सचिव ऑस्टिन के अपने अधिकारियों और सैन्य अभियोजकों ने अनुमोदित किया गया था और उनका न्याय प्रणाली में गैरकानूनी राजनीतिक हस्तक्षेप था। इसे लेकर अपील अदालत ने फैसला सुनाया था कि ऑस्टिन भविष्य में होने वाले प्री-ट्रायल समझौतों को सीमित कर सकते हैं, लेकिन उनके पास पहले से स्वीकृत समझौतों को रद्द करने का अधिकार नहीं है। अदालत ने कहा कि प्रतिवादियों द्वारा अपराध स्वीकार करने से किसी भी नए मुकदमे की संभावना कम हो जाएगी। सरकार और आरोपियों के बीच हुए समझौते को लेकर मृतकों के परिजनों में भी मतभेद है।

ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका, पैसे देकर चुप कराने के मामले में नहीं मिली राहत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. चुप रहने के लिए पैसे देने के मामले में सजा पर सुनवाई पर रोक को लेकर उनकी याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है. न्यूयॉर्क अपील कोर्ट के जज ने ट्रंप के अनुरोध को खारिज कर दिया. मामले में शुक्रवार सजा पर फैसला सुनाया जाना है. ट्रंप अब अपीलीय अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं और सजा पर स्टे लगाने का अनुरोध कर सकते हैं. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार एसोसिएट जस्टिस एलेन गेस्मर ने मंगलवार दोपहर मामले पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद ट्रंप के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया. ट्रंप ने मंगलवार को चुप रहने के लिए धन देने के मामले में कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया था. ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच ने मंगलवार को अदालत से कहा कि उन्हें ट्रंप की सजा पर रोक लगा देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि स्थिति अभूतपूर्व थी. सुनवाई की अध्यक्षता करने वाले गेस्मर ने ट्रम्प के वकील से पूछा कि क्या उनके अनुरोध के लिए कोई मिसाल है कि राष्ट्रपति पद की छूट को अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति तक बढ़ाया जा सकता है. इसलिए नहीं. मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी कार्यालय के अपील प्रमुख स्टीवन वू ने कहा कि ट्रम्प के वकीलों ने कोई तर्क प्रस्तुत नहीं किया है कि सजा पर सुनवाई से ट्रंप की अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारियों में बाधा उत्पन्न होगी।

कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से जस्टिन ट्रूडो ने किया साफ इनकार

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा को अमेरिका हिस्सा बनाने से प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा होने की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं। दरअसल, ट्रूडो पीएम और लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। इसके बाद अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को 51वां राज्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। ट्रूडो ने एक्स पर लिखा, इस बात की थोड़ी भी संभावनाएं नहीं हैं कि कनाडा अमेरिका का हिस्सा बनेगा। उन्होंने आगे लिखा, हमारे दोनों ही देशों में श्रमिक और समुदाय एक दूसरे के सबसे बड़े कारोबारी और सुरक्षा साझेदार होने का लाभ ले रहे हैं।

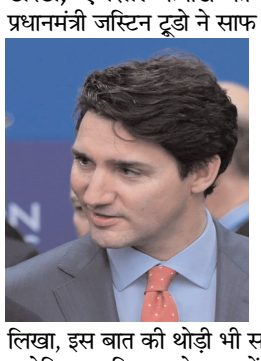

ट्रंप ने फिर रखा प्रस्ताव : सोमवार को ट्रंप ने ट्रूडो के सामने कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का अपना प्रस्ताव दोहराया। ट्रंप, पांच नवंबर को अपनी चुनावी जीत के बाद 'मार-ए-लागो' में ट्रूडो से मुलाकात के बाद से ही कनाडा को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने का विचार व्यक्त करते रहे हैं। उसके बाद से वह कई बार अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर इसका जिक्र कर चुके हैं।

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, कनाडा में भी बहुत से लोग अपने देश को अमेरिका का 51वां प्रांत बनाने के इच्छुक हैं। अमेरिका अब उन भारी व्यापार घाटे और सब्सिडी को वहन नहीं कर सकता है जिनकी कनाडा को अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए जरूरत है। जस्टिन ट्रूडो को यह पता था और उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

ट्रूडो के इस्तीफे के बाद सोमवार को ट्रंप ने कहा, अगर कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाता है तो कोई कर नहीं होगा, कर बहुत कम हो जाएंगे और वे रूसी और चीनी जहाजों के खतरे से पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे जो लगातार उन्हें घेरे रहते हैं। साथ मिलकर, यह कितना महान देश बनेगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर कनाडा अमेरिका के साथ अपनी दक्षिणी सीमा से मादक पदार्थ तस्करी और अवैध प्रवासियों की घुसपैठ को नहीं रोकता है तो कनाडाई आयात पर 25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा।

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भीषण आग ने मचाई तबाही, 30 हजार लोगों को सुरक्षित निकालने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में लगी भयंकर आग विकराल रूप ले चुकी है। हजारों लोगों को रिहायशी इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जा गया है। लॉस एंजिल्स के पहाड़ी इलाकों में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन दल ने कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। आग की लपटें मीलों तक फैली हुई हैं। लॉस एंजिल्स फायर डिपार्टमेंट की फायर चीफ क्रिस्टिन क्राउली ने बताया कि 10,000 से अधिक घरों और 13,000 से अधिक इमारतों में रहने वाले करीब 26,000 लोग आग से प्रभावित हुए हैं। बड़ी तादात में लोग अपनी कारों को छोड़कर पैदल ही सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं, क्योंकि सड़कें भीषण आग के चलते अवरुद्ध हैं। आग को तेज हवाओं ने और बढ़ा दिया है। कैलिफोर्निया के लाखों लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इसके साथ ही लोगों को आग के और फैलने का खतरे से आगाह किया गया है। इसके साथ ही बड़े इलाके की बिजली सप्लाई को बंद कर दिया गया है। जिसके चलते करीब पांच लाख लोग प्रभावित हुए हैं। पश्चिमी लॉस एंजिल्स के पैसिफिक पैलिसेड्स में आग ने लगभग 2 वर्ग मील से अधिक जंगल को जला दिया है। जिससे पूरे शहर में धुएं गुबार देखा जा सकता है। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति जो बाइडन ने कैलिफोर्निया के रिवरसाइड काउंटी की यात्रा रद्द कर दी हैं।

कनाडा में हिंदू पीएम! जस्टिन ट्रूडो की जगह अनीता आनंद बन सकती हैं नई प्रधानमंत्री

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की घोषणा के बाद, उनके संभावित उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं. चर्चा है कि भारतीय मूल की नेता अनीता आनंद प्रधानमंत्री पद की मजबूत दावेदार हैं. ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है, हालांकि, पार्टी के नए नेता चुने जाने तक वह प्रधानमंत्री पद पर बने रहेंगे.

तमिलनाडु और पंजाब से है नाता : कनाडा की वर्तमान परिवहन और अंदरूनी व्यापार मंत्री अनीता आनंद का जन्म नोवा स्कोटिया के केंटविले में हुआ था. उनके माता-पिता, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं, भारतीय चिकित्सक थे. उनके पिता तमिलनाडु से थे और माता पंजाब से थीं. अनीता की दो बहनें हैं, गीता आनंद जो टोरंटो में वकील हैं, और सोनिया आनंद जो मैकमास्टर यूनिवर्सिटी में चिकित्सक और शोधकर्ता हैं.

पहली बार 2019 सांसद चुनी गई थी अनीता : 1985 में ओंटारियो जाने के बाद, अनीता ने अपने पति जॉन के साथ मिलकर ओकविले में अपने चार बच्चों का पालन-पोषण किया. अपने करियर के दौरान उन्होंने कई अहम पदों पर काम किया है. पहली बार 2019 में ओकविले से सांसद चुनी गई अनीता ने 2019 से 2021 तक सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री के रूप में कार्य किया. इसके बाद वह ट्रेजरी बोर्ड और

राष्ट्रीय रक्षा मंत्री भी रहीं. सार्वजनिक सेवा और खरीद मंत्री रहते हुए उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान, कनाडा के लोगों को वैक्सीन, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण और रैपिड टेस्ट मुहैया कराने के लिए महत्वपूर्ण अनुबंध समझौते किए थे. राष्ट्रीय रक्षा मंत्री बनने पर, उन्होंने सेना में यौन दुराचार के प्रति सख्त कदम उठाए. रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान, उन्होंने यूक्रेनी सैनिकों को ट्रेनिंग देने के साथ-साथ कीव को व्यापक सैन्य सहायता भी प्रदान की.

टोरंटो यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर भी रही हैं अनीता : सितंबर 2024 में, अनीता आनंद को ट्रेजरी बोर्ड के अध्यक्ष के साथ-साथ परिवहन मंत्री भी नियुक्त किया गया. राजनीति के साथ-साथ अनीता की पहचान एक विद्वान, वकील और शोधकर्ता के रूप में भी है. उन्होंने टोरंटो यूनिवर्सिटी में कानून की प्रोफेसर रहते हुए, निवेश संरक्षण और कॉर्पोरेट प्रशासन में जेआर किंबर चेयर का पद संभाला. इसके अलावा, वे एसोसिएट डीन और मैसी कॉलेज के गवर्निंग बोर्ड की सदस्य भी रही हैं. अनीता रोटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में कैपिटल मार्केट्स इंस्टीट्यूट में नीति और अनुसंधान की निदेशक भी रही हैं. उन्होंने येल लॉ स्कूल, क्वीन्स यूनिवर्सिटी और वेस्टर्न यूनिवर्सिटी में भी कानून पढ़ाया है. अनीता आनंद ने क्वीन्स यूनिवर्सिटी से पॉलिटिकल स्टडीज में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से ज्यूरिसप्रूडेंस में बैचलर ऑफ आर्ट्स (ऑनर्स), डलहौजी यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ लॉ और टोरंटो यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री हासिल की है।

तिब्बत में आयी त्रासदी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 126 हुई

ल्हासा, एजेंसी। बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई।

तिब्बत में भूकंपः बुधवार सुबह रिक्टर स्केल पर 4 तीव्रता का एक और भूकंप तिब्बत में आया। जानकारी के अनुसार, भूकंप सुबह करीब 06:58 बजे (ढुस्ज्ञ) आया और इसका केंद्र शिज़ांग में था। यह भूकंप 7.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद आया है, जिसमें 126 लोग मारे गए और तिब्बत में भारी तबाही हुई। भूकंप का केंद्र सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके पड़ोसी नेपाल में भी महसूस किए गए, जहां रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता करीब 4.2 दर्ज की गई।

शिगाज़े पूर्वोत्तर नेपाल में खुंबू हिमालयन रेंज में लोबुत्से से 90 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है, और यह तिब्बत का आखिरी सीमावर्ती शहर है जो सिक्किम को छूने वाले नेपाल-तिब्बत-भारतीय त्रि-जंक्शन से ज्यादा दूर नहीं है। शिगाज़े, जिसे शिगास्टे भी कहा जाता है,

दलाई लामा के बाद दूसरे सबसे प्रभावशाली बौद्ध भिक्षु पंचेन लामा का निवास स्थान है।

भीषण भूकंप में 100 से ज़्यादा लोगों की मौत : इससे पहले मंगलवार को दक्षिणी तिब्बत के सबसे पवित्र शहरों में से एक के पास भीषण भूकंप आया, जिसमें कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई और 188 लोग घायल हो गए। भूकंप के झटकों के कारण नेपाल और भारत के कई हिस्सों में भी लोग सड़कों पर निकल आए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र ने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.8 थी, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सेवा ने इसे 7.1 तीव्रता बताया। भूकंप दक्षिण-पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के डिंगरी काउंटी में सुबह 9:05 बजे (बीजिंग समय) आया, जिसका केंद्र शिगाज़े शहर के डिंगरी काउंटी के त्सोगो टाउनशिप में था। चीन ने माउंट एवरेस्ट के अपने क्षेत्र के पास के पर्यटन स्थलों को बंद करने की घोषणा की है, जबकि क्षेत्र में कई रिसॉर्ट्स के पर्यटक और कर्मचारी सुरक्षित बताए गए हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रभावित क्षेत्रों में बचाव प्रयासों को पूरी तरह से चलाने का आदेश दिया और द्वितीयक आपदाओं को रोकने, प्रभावित निवासियों को उचित रूप से पुनर्वासित करने और बाद के काम को प्रभावी ढंग से संभालने के प्रयासों का आग्रह किया।

युगांडा में एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या हुई 10 : स्वास्थ्य मंत्रालय

कंपाला, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में पिछले पांच दिनों में चार लोगों की मौत रिपोर्ट हुई। इसके बाद एमपॉक्स से मरने वालों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। एक रिपोर्ट में युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पिछले पांच दिनों में कम से कम 156 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। जिससे देश में संक्रमण से जूझ रहे लोगों की कुल संख्या 1,571 हो गई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि पिछले 24 घंटों में 19 नए संक्रमण के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 17 मामले वाकिसो के केंद्रीय जिले में, एक युगांडा की राजधानी कंपाला में और एक लीरा में दर्ज किए गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और साझेदारों के सहयोग से मंत्रालय ने रोग के प्रसार को रोकने के लिए रोकथाम उपायों को तेज कर दिया है, जिसमें निगरानी, ??मामला प्रबंधन, स्वास्थ्य बैठकें आयोजित करना, जोखिम संचार और सामुदायिक सहभागिता तथा जन जागरूकता अभियान शामिल हैं। एमपॉक्स एक बीमारी है जो मंकीपॉक्स वायरस के कारण होती है। यह एक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से निकट संपर्क के माध्यम से लोगों के बीच फैल सकता है। एमपॉक्स के सामान्य लक्षणों में दाने, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, कम ऊर्जा और ग्रंथियों में सूजन शामिल हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा था कि अफ्रीका में एमपॉक्स की महामारी संबंधी स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक बनी हुई है, तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी), बुरुंडी और युगांडा में इसके मामले अधिक संख्या में देखे गए हैं। डब्ल्यूएचओ की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार 15 दिसंबर तक अफ्रीका में 20 देशों में 13,769 पुष्ट मामले सामने आए हैं, जिनमें 60 मौतें शामिल हैं। सबसे अधिक प्रभावित देश डीआरसी है, जहां 9,513 पुष्ट मामले पाए गए हैं। हालांकि डीआरसी में हाल के सप्ताहों में अपेक्षाकृत स्थिर महामारी की प्रवृत्ति देखी गई है, फिर भी डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि संभावित रिपोर्टिंग देरी को देखते हुए स्थिरता और गिरावट की प्रवृत्ति की सावधानीपूर्वक व्याख्या की जानी चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि डीआरसी के बाहर क्लेड 1बी एमपॉक्स वायरस (एमपीएक्सवी) के भौगोलिक विस्तार की रिपोर्ट जारी है, साथ ही कहा कि अफ्रीका के बाहर आठ देशों में इस वायरस का पता चला है।

जिसे ढूंढ रहा अमेरिका, उस आतंकी को भी रिहा कर रहा बांग्लादेश

ढाका, एजेंसी। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने बांग्लादेश सेना के बर्खास्त मेजर सैयद जिया-उल-हक को बरी करने की प्रक्रिया कथित तौर पर शुरू कर दी है. वह अलकायदा से जुड़ा हुआ है और अमेरिका द्वारा वांछित है. दिसंबर 2021 में, अमेरिकी विदेश विभाग की डिप्लोमैटिक सिक्योरिटी सर्विस ने अपने रिवार्ड्स फॉर जस्टिस (आरएफजे) कार्यालय के जरिए हक (उर्फ मेजर जिया) और अकरम हुसैन की गिरफ्तारी या दोषसिद्धि के लिए सूचना देने पर 5 मिलियन डॉलर तक का इनाम देने की पेशकश की थी. ये दोनों चार अन्य व्यक्तियों के साथ ढाका में फरवरी 2015 में हुए आतंकवादी हमले में शामिल पाए गए थे. इसमें अमेरिकी नागरिक अविजित रॉय की मौत हो गई थी और उनकी पत्नी रफीदा बोन्या अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. बांग्लादेश में जन्मे दोनों अमेरिकी नागरिक ढाका में एक पुस्तक मेले में भाग लेने के लिए आए थे, जब उन पर हमलावरों ने छुरे से हमला किया. रॉय की मौत हो गई, जबकि अहमद गंभीर रूप से घायल हो गई. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, बांग्लादेश में स्थित अलकायदा से प्रेरित आतंकवादी समूह अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने हमले की जिम्मेदारी ली. जिया, कथित तौर पर बाद में पाकिस्तान भाग गया था उसकी खोज बांग्लादेशी अधिकारी भी कर रहे थे. जागृति प्रकाशन के फोयसल अरेफिन दीपोन और कलाबागान के जुलहास-टोनॉय की हत्या के मामलों में 2016 में उसे खोजने के लिए 2 मिलियन टका का इनाम घोषित किया गया था. इससे पहले, 2011 में, उसने एक असफल तख्तापलट में भी प्रमुख भूमिका निभाई थी. हाल ही में, वीजा चाहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए

अनिवार्य सुरक्षा मंजूरी की नीति में व्यापक रूप से ढील दी गई थी. इसके चलते कुछ सप्ताह पहले जिया को पाकिस्तानी पासपोर्ट पर ढाका लौटने में सुविधा हुई. रिपोर्ट में कहा गया कि, अपनी वापसी के तुरंत बाद, जिया ने औपचारिक रूप से सभी आरोपों से बरी होने और 29 दिसंबर, 2024 को मोस्ट-वांटेड सूची से हटाए जाने के लिए आवेदन किया. उसने सभी दोषसिद्धियों को रद्द करने और इनाम वापस लेने की मांग की. स्थानीय मीडिया ने बताया कि बांग्लादेश के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) की गुमशुदगी समिति के प्रमुख न्यायमूर्ति मैनुल इस्लाम चौधरी, जो पूरे मामले की जांच करेंगे, जिया के ससुर हैं. बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर यह आरोप लगातार लग रहे हैं कि वह कट्टरवादी ताकतों को हवा दे रही है. पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद देश में अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों को भी निशाना बनाने की खबरें लगातार आ रही है. बांग्लादेश के जाने-माने पत्रकार सलाह उद्दीन शोएब चौधरी ने बीएलआईटीजेड में लिखा, यूनुस प्रशासन ने पहले भी अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के नेता जशीमुद्दीन रहमानी जैसे अन्य इस्लामवादी लोगों को बरी किया है. अपनी रिहाई के बाद रहमानी ने सार्वजनिक रूप से भारत में जिहाद और गजवा-ए-हिंद को लागू करने का आह्वान किया. इन कार्रवाइयों ने बांग्लादेश की आतंकवाद-रोधी प्रतिबद्धता के बारे में चिंताएँ बढ़ा दी हैं और देश के चरमपंथी गतिविधियों का केंद्र बनने की आशंकाएं पैदा कर दी हैं. चौधरी के अनुसार, जिया की रिहाई के अनुरोध को स्वीकार करने के यूनुस प्रशासन के फैसले के दूरगामी परिणाम होंगे, जो बांग्लादेश को आतंकवादियों के लिए लॉन्चपैड में बदल सकते हैं और पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकते हैं. इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की गिरती प्रतिष्ठा को भी गंभीर नुकसान पहुँच सकता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेमीका के साथ रहने वाला पति रंगे हाथ पकड़ा गया

RTO इंस्पेक्टर पति फ्लैट में दूसरी महिला के साथ था वन अधिकारी पत्नी पुलिस के साथ पहुंची और हंगामा किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक RTO इंस्पेक्टर पति को उसकी पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया, जब वह फ्लैट में एक अन्य महिला के साथ था। वन अधिकारी पत्नी पुलिस के साथ मौके पर पहुंची और हंगामा किया। इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें पत्नी ने अपने पति को दूसरी महिला के साथ पकड़ते हुए आरोप लगाया।

सूरत शहर में पति, पत्नी और वो का मामला सामने आया है। सूरत RTO में कार्यरत एक इंस्पेक्टर, जो शादीशुदा था, अपनी पत्नी को छोड़कर दूसरी महिला के साथ रह रहा था, ऐसा आरोप उसकी पत्नी ने एक वन अधिकारी के तौर पर लगाया है। सूरत के उमरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के केशवनगर में स्थित एक फ्लैट में इंस्पेक्टर पति एक युवती के साथ था, तभी पत्नी पुलिस को लेकर वहां पहुंची और हंगामा मचाया। पुलिस ने पति और युवती को उमरा पुलिस स्टेशन ले जाकर पूछताछ की। पत्नी ने अपने पति और ससुरालवालों के खिलाफ अत्याचार सहित अन्य धाराओं के तहत शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। केशवनगर क्षेत्र में पति, पत्नी और वो के इस मामले के कारण भारी हलचल मच गई। RTO इंस्पेक्टर पति, वन

अधिकारी पत्नी और युवती

सूरत शहर के केशवनगर क्षेत्र में जो हंगामा हुआ था, उसमें पति RTO में इंस्पेक्टर के रूप में काम करता है, जबकि उसकी पत्नी वन विभाग में अधिकारी है। घरेलू कलह के कारण यह जोड़ा अलग-अलग रह रहा था। इसी बीच, आज पत्नी ने केशवनगर क्षेत्र के एक फ्लैट में अपनी पति को एक युवती के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया और हंगामा मचाया।

सूरत के एक फ्लैट से पति को दूसरी युवती के साथ रंगे हाथ पकड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पत्नी के साथ पुलिसकर्मी भी दिखाई दे रहे हैं। जब पुलिस पति को लेकर बाहर आती है, तो पति अपनी कार में बैठने की कोशिश करता है, लेकिन पत्नी पुलिस से चाबी छीन लेने की माँग करती है और पुलिसवाले से कहती है कि वह पति को अपने वाहन में बैठाकर ले जाएं। इस दौरान RTO इंस्पेक्टर पति पुलिस और अपनी पत्नी से बहस करता हुआ नजर आता है। पुलिस की मौजूदगी में पति और पत्नी के बीच हुई इस बहस ने आसपास के लोगों को चौंका दिया।

मिली जानकारी के अनुसार, RTO इंस्पेक्टर और उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा है। पत्नी का आरोप है कि RTO इंस्पेक्टर अपने साथी महिला के साथ रह रहा है। पति RTO में इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत है, जबकि पत्नी सूरत में वन अधिकारी के रूप में काम करती है। दोनों की पांच साल पहले शादी हुई थी और इस शादी से उनका एक चार साल का बेटा भी है।

इस मामले में वन अधिकारी पत्नी ने बताया कि, "मेरे पति RTO में इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत हैं। मैंने उन्हें उमरा क्षेत्र के केशव नगर में स्थित एक घर से उनकी प्रेमिका के साथ रंगे हाथ पकड़ा है। मेरे पति ने मुझे और हमारे चार साल के बेटे को घर से बाहर निकाल दिया है। मैं न्याय पाने के लिए उमरा पुलिस स्टेशन शिकायत दर्ज कराने आई हूं। मैंने उन्हें कई बार समझाया है, लेकिन वे समझने को तैयार नहीं हैं।"

इसके अलावा, उन्होंने कहा, "मैं अपने पति के खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज करना चाहती हूं। मैंने उन्हें कई बार समझाया, लेकिन वे समझने को तैयार नहीं हैं और मुझे कह रहे हैं कि जो केस करना है, कर लो। मैं यहां उनसे अलग रहूंगी। तुम जो करना चाहो, करो। इसलिए, मैं उनके खिलाफ अत्याचार का मामला दर्ज कराने आई हूं। उमरा पुलिस से मेरी यह अपील है कि मुझे नीच समाज की कहकर बहुत प्रताड़ित किया गया है। इसके अलावा, मुझे मेरे सास-ससुर द्वारा भी मारा गया है।"

उन्होंने आगे कहा, "मुझे एक साल से परेशान किया जा रहा है। मेरे चार साल के बेटे के साथ मुझे घर से बाहर कर दिया गया था। मैं वापस जाना चाहती थी, लेकिन जब मैंने घर लौटने की कोशिश की तो मुझे फिर से बाहर निकाल दिया गया। इस मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर मैंने अडाजण पुलिस स्टेशन में शिकायत भी की थी, लेकिन वहां से माफी मांगकर मामले को सुलझा लिया गया। हालांकि, उसके बाद भी स्थिति फिर से वैसी ही हो गई थी। सुलह होने के बाद भी, जब मैं दो महीने तक किराए के घर में रहने गई, तो मुझे फिर से मारा गया।"

फॉरेस्ट अधिकारी पत्नी ने शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने आगे कहा, "मेरे ससुर ने भी मुझे संदेश भेजा था कि अपने मायके से कोई संपर्क मत रखना, अगर हमसे मारा जाए तो उसे सहन करना, और पुलिस में कोई शिकायत या एट्रोसिटी का केस नहीं करना। ऐसा संदेश भेजकर कहा गया कि अगर हमारे साथ रहना है तो ही वापस आओ। 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर साइन करने और गवाहों से साइन करवाने की धमकी दी जा रही थी। इस पर जब मैंने मना किया, तो मेरे पति ने मुझे मारा, और फिर मुझे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।"

इस मामले में उमरा पुलिस स्टेशन के PI केवी पटेल ने कहा, "महिला ने 100 नंबर पर कॉल करके PCR वैन बुलवायी थी। इसके बाद महिला की शिकायत के आधार पर उनके पति को उमरा पुलिस स्टेशन लाया गया था। इस मामले में महिला द्वारा उमरा पुलिस स्टेशन में बयान भी दर्ज कराया गया है। इसमें उन्होंने अभी कोई मारपीट या विवाद होने की बात नहीं कही, लेकिन उन्होंने कहा कि पूर्व में जो विवाद और मारपीट हुई थी, उसके बारे में वे पुलिस स्टेशन में शिकायत करेंगी। उनके पति को भी उमरा पुलिस स्टेशन लाया गया था, लेकिन फिलहाल उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें रिहा कर दिया गया है।"

ड्रैनेज में अवैध कनेक्शन लेने वाली 5 और डाइंग इकाइयों को सील,एक इकाई को नोटिस

नियमों का खुलेआम उल्लंघन होने के बावजूद जीपीसीबी कार्रवाई नहीं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ड्रैनेज से आने वाले केमिकल युक्त पानी के कारण बमरौली टर्शरी ट्रीटमेंट प्लांट को नुकसान होने पर पालिका ने उधना और पांडेसरा क्षेत्रों में ड्रैनेज में अवैध कनेक्शन करने वाले इकाइयों को सील करने का अभियान शुरू किया है। इसी के तहत, 8 तारीख को पालिका ने 5 और इकाइयों को सील किया है, जबकि एक और इकाई को नोटिस जारी किया गया है।

पालिका के अनुसार, भेस्तान महावीर इंडस्ट्रियल एस्टेट, साईकृपा इंडस्ट्रियल और सनातन डायमंड में स्थित इकाइयों को सील किया गया है, जबकि गुरु कृपा इंडस्ट्रीज में स्थित श्री गणेश मार्केटिंग डाइंग को नोटिस जारी किया गया है। सफारी कॉम्प्लेक्स के पास स्थित श्रीराम प्रोसेसिंग यूनिट का सर्वेक्षण कार्य भी किया गया। उल्लेखनीय है कि पालिका ने हाल ही में जीपीसीबी को एक पत्र लिखकर प्रदूषण फैलाने वाली मिलों की जानकारी दी है। इन सभी मिलों द्वारा जीपीसीबी के नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है, फिर भी जीपीसीबी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

टर्शरी ट्रीटमेंट एंड रिसाइकिल सेल बमरौली के दो प्लांट से ट्रीटेड पानी पांडेसरा और सचिन के उद्योगों को सप्लाई करता है। कई मिलें और डाइंग यूनिट्स केमिकलयुक्त पानी को स्टॉर्म ड्रेनेज में छोड़ रही थीं, जिससे प्लांट को नुकसान हो रहा था। इस कारण प्लांट की सप्लाई रोकनी पड़ी, जिससे उद्योगों की पानी सप्लाई पर असर पड़ा।

पतंग की डोरी में करंट लगने से किशोर की मौत

सचिन इलाके में बिजली के तारों में फंसा हुआ पतंग निकालने जाते हुए हादसा हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उत्तरायण के पर्व को कुछ ही दिन बाकी हैं, इसी बीच सूरत में बिजली की हाईटेंशन लाइन से पतंग निकालने जाते हुए एक 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। सचिन में किशोर हाईटेंशन बिजली लाइन से पतंग निकालने जाते हुए गंभीर रूप से झुलस गया था। इसके बाद उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उसके पिता ने बताया कि, उनका बेटा पतंग उड़ा रहा था, तभी वह हाईटेंशन लाइन में फंस गई और बाद में डोरी में बिजली का करंट आ गया, जिससे ब्लास्ट हुआ। घर के पास से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन से करंट लगने से हादसा

मिली जानकारी के अनुसार, पिंटू चौधरी सचिन कृष्णा नगर में रहते हैं और सचिन की मिल में मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं। उनके चार बच्चों में बड़ा बेटा प्रिंस (उम्र 13) चौथी कक्षा में पढ़ाई कर रहा था। कल (बुधवार) स्कूल से लौटने के बाद प्रिंस छत पर पतंग उड़ाने गया था। एक घंटे बाद, जब तेज आवाज सुनकर लोग दौड़े तो पाया कि प्रिंस घर के बाहर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के करंट से गंभीर रूप से झुलस गया था। जांच में यह पता चला कि प्रिंस 18,000 वॉट की हाईटेंशन लाइन से पतंग निकालने गया था और बिजली के करंट से झुलस गया। 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताते हुए उसे भर्ती कर लिया। लेकिन थोड़ी देर बाद, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पिता ने बताया कि, उनका बेटा पतंग उड़ा रहा था और पास ही हाईटेंशन लाइन थी। उनके बेटे की पतंग उस लाइन में फंस गई थी। जब वह उसे निकालने गया, तो डोरी में करंट आ गया और ब्लास्ट हुआ, जिससे वह झुलस गया। इसके बाद उसे सूरत सिविल अस्पताल लाया गया, जहां उसकी इलाज किया जा रहा था, लेकिन सुबह उसने दम तोड़ दिया।

ST ड्राइवर के साथ गुंडागर्दी करना पड़ा महंगा

सूरत में झगड़ा करने और तीन थप्पड़ मारने वाली महिला सहित तीन लोगों की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक महिला और दो अन्य लोगों ने ST ड्राइवर के साथ झगड़ा किया और उसे तीन थप्पड़ मारे। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला और अन्य दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सूरत के अडाजण स्टार बाजार ब्रिज के पास दो महिलाएं मोपिड लेकर गलत दिशा से आ रही थीं और बस के पास से गुजरने लगी थीं। इस दौरान, स्त्र बस के चालक ने बस को तुरंत ब्रेक लगाकर हादसा रोका और महिलाओं को मोपिड सही दिशा में चलाने की सलाह दी। इस टोकने के बाद महिला गुस्से में आ गई और उसने ड्राइवर को सार्वजनिक रूप से तीन थप्पड़ मारे और अपशब्द कहे। इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद, स्त्र बस के चालक ने शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने दो महिलाओं और एक युवक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ड्राइवर को गालियाँ दी और थप्पड़ मार दिए थे

मंगलवार को अडाजण के स्टार बाजार के पास ST बस के ड्राइवर युवराजसिंह ने गलत दिशा से एक्टिवा चलाते आ रही दो महिलाओं को हादसा टालने के लिए तेजी से ब्रेक लगाया। ड्राइवर ने उस समय महिलाओं को समझाने की कोशिश की और बस के खतरे के बारे में कहा, "बहन, बस चल रही है, यह तो देखो।" इसके बावजूद, महिलाएँ इस टोकने से गुस्से में आ गईं और ड्राइवर को गालियाँ देते हुए उसे थप्पड़ मार दिए।

पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया

इस दौरान एक महिला ने ड्राइवर को सार्वजनिक रूप से तीन थप्पड़ मारे और फिर अन्य लोगों के साथ मिलकर और विवाद किया। घटना के वायरल हुए वीडियो में एक महिला ST बस के ड्राइवर को थप्पड़ मारते हुए नजर आ रही थी, जिससे लोगों में गुस्सा पैदा हो गया। वीडियो ने इस घटना को और गंभीर बना दिया और पुलिस शिकायत में इसे मुख्य सबूत के रूप में शामिल किया गया।

ड्राइवर की शिकायत के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी

घटना से सदमे में आए ड्राइवर ने तुरंत अडाजण पुलिस स्टेशन जाकर शिकायत दर्ज करवाई। ST यूनियन के नेताओं कौशल देसाई और विपिनभाई लंगडिया भी पुलिस स्टेशन में उपस्थित हुए और महिलाओं सहित सभी दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इसके बाद, अडाजण पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों मीनाक्षी उर्फ मीनाबेन अनिलभाई कहार, जिताली अनिलभाई कहार और अक्षय अनिलभाई कहार को गिरफ्तार कर लिया है। आदेश के अनुसार, उनका अपराध सेवा में विघ्न, मारपीट और सार्वजनिक गुंडागर्दी के तहत आता है।

आरटीई के तहत प्रवेश पाने के लिए आय प्रमाण पत्र में छेड़छाड़

अभिभावकों के दस्तावेजों की जांच में 250 से अधिक प्रमाण पत्रों में अनियमितता पाई गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

RTE के तहत प्रवेश पाने के लिए सूरत में कुछ अभिभावकों ने ऐसी तरकीबें आजमाई, जिन्हें सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। RTE में सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज आय प्रमाण पत्र होता है, जिसमें अभिभावकों की वार्षिक आय का उल्लेख होता है। RTE के तहत प्रवेश पाने के लिए कुछ अभिभावकों ने फोटोशॉप का उपयोग करके आय प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ की और अपनी आय कम दिखाकर प्रवेश पाने का प्रयास किया। महज कुछ सेकंड में उनकी पोल खोल दी गई। केवल 15 सेकंड में यह पता चल गया कि 1.40 लाख रुपये कमाने वाला व्यक्ति अपनी आय 70 हजार रुपये दिखा रहा था।

RTE के तहत प्रवेश पाने के लिए सूरत में कुछ अभिभावकों ने ऐसी तरकीबें आजमाई, जिन्हें सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। RTE में सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज आय प्रमाण पत्र होता है, जिसमें अभिभावकों की वार्षिक आय का उल्लेख होता है। RTE के तहत प्रवेश पाने के लिए कुछ अभिभावकों ने फोटोशॉप का उपयोग करके आय प्रमाण पत्र में छेड़छाड़ की और अपनी आय कम दिखाकर प्रवेश पाने का प्रयास किया। महज कुछ सेकंड में उनकी पोल खोल दी गई। केवल 15 सेकंड में यह पता चल गया कि 1.40 लाख रुपये कमाने वाला व्यक्ति अपनी आय 70 हजार रुपये दिखा रहा था।

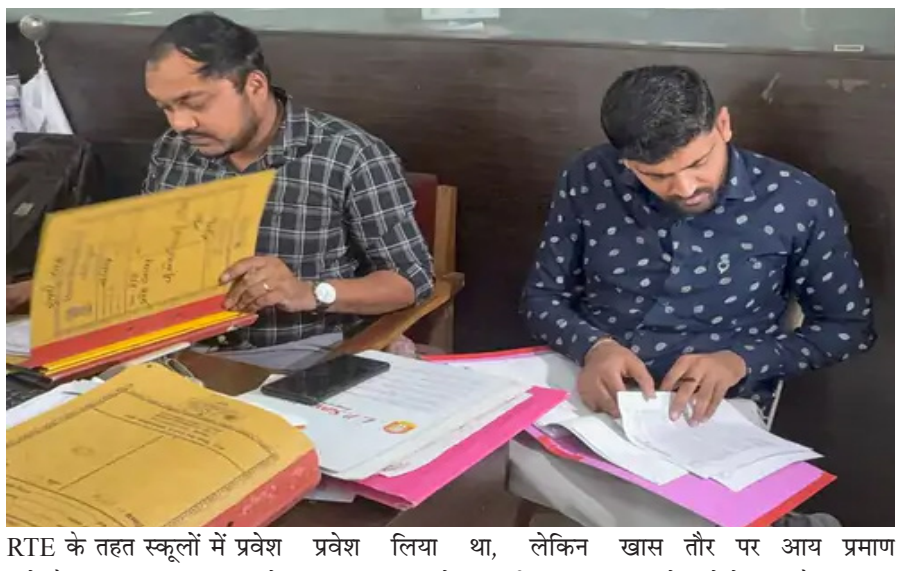

RTE के तहत स्कूलों में प्रवेश पाने के लिए कुछ अभिभावकों द्वारा अनियमितताएं की गई थीं। स्क्रीनिंग के बाद, फिलहाल 100 से अधिक छात्रों का प्रवेश रद्द कर दिया गया है, जिन्होंने ऋक्षश्व के तहत प्रवेश लिया था। इन अभिभावकों ने दस्तावेज़ों में अपनी आय कम दिखाकर प्रवेश लिया था, लेकिन वास्तविकता में उनकी आय नियमों से अधिक थी। स्कूल के कर्मचारियों ने फील्ड विजिट कर यह जानकारी एकत्र की। हालांकि, कुछ अभिभावक ऐसे भी हैं जो प्रवेश पाने के लिए दस्तावेज़ों में छेड़छाड़ कर रहे हैं। खास तौर पर आय प्रमाण पत्र में फोटोशॉप के माध्यम से अपनी आय को 50% से भी कम दिखाया जा रहा था। कुछ लोग निर्धारित नियमों से अधिक आय होने के बावजूद अपने दस्तावेजों में छेड़छाड़ करके प्रवेश पाने की कोशिश कर रहे थे।

"उड़े दिल की पतंग" नव वर्ष पिकनिक का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा नव वर्ष के आगमन के उपलक्ष में गुरुवार को "उड़े दिल की पतंग" थीम पर पिकनिक का आयोजन रिओ कोलीना रिसोर्ट में किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया इसमें 170 से भी अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। पिकनिक में महिलाओं के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता, कैप पेंटिंग एक्टिविटी एवं मनोरंजक पूल गेम्स का आयोजन किया गया और बहुत से गिफ्ट दिए गए इस मौके पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सरोज अग्रवाल, सीमा कोकरा, प्रीति गोयल, वीणा जैन, नेहा अग्रवाल, मेघना गोयल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

वन यात्रा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल महिला समिति द्वारा वनयात्रा का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस यात्रा में सूरत से 55 महिलायें आदिवासी गांव देगामा पहुंची। वहाँ पर एकल विद्यालय के बच्चों द्वारा अशोक के पत्तों की टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा सांकृतिक एवं धार्मिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महिलाओं द्वारा बच्चों को स्टेशनरी का सेट, क्रीम रोल आदि एवं विद्यालय के शिक्षकों एवं कार्यकर्ताओं को कंबल एवं साड़ी दी गई। इस दौरान अनेकों खेलों का आयोजन भी किया गया। वनयात्रा में एकल महिला समिति की रितु गोयल, ज्योति पंसारी, डिम्पल फतेहपुरिया, विजया कोकरा, अशिता नांगलिया, पन्ना अग्रवाल, पदमा तुलस्यान सहित अनेकों महिलायें उपस्थित रहीं।